● वर्ष : 17 ● अंक : 93 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित मंगलवार 20 जनवरी 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

अपने भाई को लेने आया हूं : मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

यूएइ के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान सोमवार शाम साढ़े 4 बजे भारत पहुंचे। पीएम मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़कर उन्हें दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर रिसीव किया। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं अपने भाई को लेने खुद एयरपोर्ट आया हूं। शेख जायद कुछ देर में पीएम मोदी के साथ मीटिंग करेंगे और करीब शाम 6 बजे भारत से रवाना हो जाएंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच आज व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, ऊर्जा और दुनिया से जुड़े अहम मुद्दों पर बड़ी डील हो सकती है। विदेश मंत्रलाय ने बताया कि दोनों नेता मिडिल-ईस्ट के मौजूदा हालात पर भी चर्चा कर सकते हैं। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब पश्चिम एशिया में स्थिति काफी संवेदनशील बनी हुई है। यमन में यूएइ और सऊदी अरब के बीच तनाव बना हुआ है।

भारत यूएइ को क्या एक्सपोर्ट करता है? : यूएइ को भारत के प्रमुख एक्सपोर्ट में पेट्रोलियम प्रोडक्ट, मेटल, स्टोन, जेम्स एंड ज्वैलरी, मिनरल्स, फूड आइटम जैसे अनाज, चीनी, फल और सब्जियां, चाय, मांस और सीफूड, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग मशीनरी प्रोडक्ट और कैमिकल्स शामिल हैं।

गल्फ देशों में यूएइ को सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट करता है भारत

यूएइ भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों देशों के बीच 6 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार है। इसमें यूएइ ने भारत से 2 लाख करोड़ रुपए का इम्पोर्ट किया है। भारत का यूएइ के साथ वित्तीय घाटा है। यानी भारत यूएइ से आयात ज्यादा करता है और निर्यात कम। भारत ने वित्तवर्ष 2022-23 में यूएइ से 4 लाख करोड़ रुपए का इंपोर्ट किया है। भारत ने यूएइ के साथ एक ट्रेड पैक्ट पर भी साइन किया था। भारत, यूएइ को पेट्रोलियम प्रोडक्ट, मेटल, स्टोन, जेम्स एंड ज्वेलरी, मिनरल्स, फूड आइटम जैसे अनाज, चीनी, फल और सब्जियां, चाय, मांस और सीफूड, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग मशीनरी प्रोडक्ट और कैमिकल्स एक्सपोर्ट करता है।

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने एनडीआरएफ स्थापना दिवस पर जांबाज जवानों को किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के स्थापना दिवस पर बल के जांबाज कर्मियों के साहस, समर्पण और निस्वार्थ सेवा को नमन किया। प्रधानमंत्री ने आपदा के समय जीवनरक्षा, राहत और पुनर्वास में एनडीआरएफ की भूमिका को देश और दुनिया के लिए आदर्श बताते हुए इसे आपदा प्रबंधन का वैश्विक मानक बताया। गृहमंत्री शाह ने एनडीआरएफ को आपदाओं के दौरान राष्ट्र का भरोसेमंद स्तंभ करार देते हुए शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर कहा कि आपदा के हर कठिन क्षण में एनडीआरएफ के जवान अग्रिम पंक्ति में रहकर लोगों की जान बचाने, राहत पहुंचाने और उम्मीद बहाल करने का काम करते हैं। उनकी पेशेवर दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा सेवा के सर्वोच्च मानकों को दर्शाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्षों में एनडीआरएफ ने आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया के क्षेत्र में एक बेंचमार्क स्थापित किया है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सम्मान मिला है। केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर एनडीआरएफ कर्मियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आपदा-प्रतिरोधी भारत के निर्माण के मोदी सरकार के संकल्प को साकार करने में एनडीआरएफ की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। आज एनडीआरएफ आपदाओं के समय देश के भरोसे का मजबूत स्तंभ बन चुका है। गृह मंत्री ने दूसरों की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीद जवानों को नमन किया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) का गठन 2006 में आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत किया गया। इसका उद्देश्य प्राकृतिक और मानव-निर्मित आपदाओं के दौरान त्वरित, समन्वित और पेशेवर राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करना है। एनडीआरएफ की विशेष रूप से प्रशिक्षित टीमें भूकंप, बाढ़, चक्रवात, भूस्खलन, औद्योगिक हादसों और रासायनिक-जीवाणु आपदाओं में तैनात की जाती हैं।

ज्वलंत मुद्दा | **संपादकीय**

भ्रष्टाचार पर चीन ने दिखाई सख्ती अब भारत की बारी

चीन में भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी अभियान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। वर्ष 2025 में चीन ने लगभग 10 लाख लोगों को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया और उनमें से 9.83 लाख दोषी ठहराए गए। जो अब सजा भुगत रहे हैं। यह कार्यवाही सिर्फ संख्या दर्शानी वाली नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रमाण है जिसके दम पर चीन ने अपनी प्रशासनिक व्यवस्था को भ्रष्टाचार से मुक्त करने और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था बनाने की दिशा में काम करने में सफल हुआ है। 2012 में शी जिनपिंग के सत्ता में आने के बाद से भ्रष्टाचार उन्मूलन का काम शुरू हुआ। इस अभियान में अब तक 72 लाख से अधिक मामलों की जांच हो चुकी है। बैंकिंग, रक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, सरकारी और निजी कंपनियां इत्यादि का कोई भी क्षेत्र कार्यवाही से अछूता नहीं रहा। चीन में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की खास बात यह है, यहां "बड़ा आदमी" या "महत्वपूर्ण पद" पर बैठे लोग भी भ्रष्टाचारियों का बचाव नहीं कर पाते हैं।

2025 में चीन के 69 शीर्ष अधिकारी ,केंद्रीय मंत्री स्तर से लेकर प्रांतीय प्रमुखों के पदों पर बैठे हुए लोगों को भ्रष्टाचार के आरोप प्रमाणित होने के बाद सजा दी गई है। सेंट्रल कमीशन फॉर डिसिप्लिन इंस्पेक्शन और नेशनल कमीशन ऑफ सुपरविजन के जरिए पार्टी और सरकार ने यह संदेश दिया है, महत्वपूर्ण पद पर बैठे हुए लोगों को सत्ता को पिंजरे में रखना जरूरी है। टीवी डॉक्यूमेंट्री के जरिए भ्रष्टाचार के तरीकों और दोषियों के कबूलनामों को चीन में सार्वजनिक किया जा रहा है। इसके कारण भ्रष्टाचारियों में भारी भय व्याप्त है। आम जनता सजग हुई है। वह शिकायत करने के लिए अब सामने आ रही है। भारत में ठीक इसके विपरीत स्थिति है। भ्रष्टाचारी यदि सत्ता पक्ष का है तो उसके बचाव करने के लिए पूरा शासन और प्रशासन तंत्र सामने आ जाता है। 2014 के बाद से सत्ता पर बैठे हुए लोग और प्रशासनिक पदों पर बैठे हुए लोगों के खिलाफ भारत में कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है जो कार्रवाई हो रही है वह छोटे-छोटे पदों में बैठे हुए लोगों के खिलाफ हो रही है।

भारत में भ्रष्टाचार कॉरपोरेट तरीके से सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। भारत में भ्रष्टाचार के मामले अक्सर दर्ज ही नहीं होते हैं, वर्षों तक जांच के नाम पर लटके रहते हैं। बड़े नेता और अफसर कानूनी जटिलताओं, राजनीतिक संरक्षण और "वाशिंग मशीन" जैसी प्रक्रियाओं से बचे रहते हैं। नतीजा यह कि भारत की आम जनता छोटे-छोटे से कामों के लिए भ्रष्टाचार की चक्की में पिस रही है। भारत में नौकरशाही के साथ-साथ अब न्यायपालिका के ऊपर भी भ्रष्टाचार के आरोप बड़े पैमाने पर लग रहे हैं।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

कर्नल सोफिया मामले में मंत्री विजय शाह को सुप्रीम कोर्ट से झटका

नई दिल्ली। कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी करने वाले मामले पर मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। सोमवार को अदालत ने विजय शाह पर हुई एफआईआर रद्द करने की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, कि अब बहुत देर हो गई है। इसके साथ ही अदालत ने प्रदेश सरकार को विजय शाह पर हुई एफआईआर पर दो सप्ताह के अंदर अभियोजन का फैसला लेने के आदेश भी दे दिए। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश की मोहन सरकार में मंत्री विजय शाह पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए गए विवादित बयान के बाद एफआईआर हुई थी। इस मामले की सुनवाई सोमवार को सुप्रीम कोर्ट नी की। कोर्ट में मंत्री विजय शाह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने पैरवी की। उन्होंने कोर्ट के समक्ष कहा, कि मंत्री विजय शाह ने अपना सार्वजनिक माफीनामा दर्ज करा दिया है और हर जांच में वे सहयोग कर रहे हैं। इस दलील पर कोर्ट ने स्पष्ट कहा, कि उनके द्वारा दर्ज कोई भी माफीनामा मौजूद नहीं है। वहीं मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, कि माफी मांगने में अब बहुत देर हो चुकी है। इससे पहले कोर्ट ने इस बात पर भी टिप्पणी की थी कि उनके द्वारा ये किस तरह की माफी मांगी जा रही है?

'वीबी- जी राम जी' को लेकर झूठ फैला रही कांग्रेसः शिवराज

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस

द्वारा सोशल मीडिया पर प्रसारित एक चिट्ठी को 'झूठ और फरेब का पुलिंदा' करार देते हुए विकसित भारतः गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) या 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम का बचाव किया है। शिवराज सिंह ने यहां पत्रकार वार्ता में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस का 'राष्ट्र प्रथम' और 'देश के विकास' से कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस ने 1971 में 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया था, लेकिन हकीकत में मोदी सरकार के दौरान 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। महात्मा गांधी 'सत्य' को सर्वोपरि मानते थे, लेकिन आज की कांग्रेस एआई जनरेटेड वीडियो और फर्जी फोटो के जरिए भ्रम फैला रही है। उन्होंने राहुल गांधी पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस की तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार ने मनरेगा में मजदूरों को बेरोजगारी भत्ते से वंचित रखा था। शिवराज ने स्पष्ट किया, "हमने मनरेगा में उस प्रावधान को हटा दिया है। अब मजदूरों को केवल कागज पर नहीं, बल्कि जमीन पर अधिकार मिला है। 15 दिन के अंदर काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता देना अनिवार्य होगा। कांग्रेस ने एक बात सच कही थी कि मनरेगा से 10 करोड़ संपत्तियां बनीं।

अब हमें धीरे-धीरे सेवानिवृत्त होना चाहिए : नितिन गडकरी

एजेंसी। नागपुर

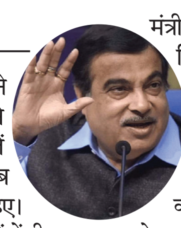

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अगली पीढ़ी को जिम्मेदारियां सौंपने की वकालत कर कहा कि जब चीजें सुचारू रूप से चलने लगें, तब पुरानी पीढ़ी को पीछे हट जाना चाहिए। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गडकरी ने ये बात कही। विदर्भ-खासदार औद्योगिक महोत्सव का आयोजन एसोसिएशन फॉर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (एआईडी) के अध्यक्ष आशीष काले द्वारा किया गया था। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि काले ने युवा पीढ़ी को एडवांटेज विदर्भ पहल में शामिल किया है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि धीरे-धीरे पीढ़ी में भी बदलाव आना चाहिए। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा, आशीष के पिता मेरे मित्र हैं। अब हमें धीरे-धीरे सेवानिवृत्त होना चाहिए और जिम्मेदारी नई पीढ़ी को सौंप देना चाहिए और जब यह व्यवस्था सुचारू रूप से चलने लगे, तब हमें भी सेवानिवृत्त होकर कोई और काम करना चाहिए। एआईडी के मुख्य मार्गदर्शक केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बताया कि नागपुर में छह से आठ फरवरी तक आयोजित हो रहे 'एडवांटेज विदर्भ एक्सपो' का यह तीसरा वर्ष है। गडकरी ने कहा कि विदर्भ क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रों में बहुत अच्छे उद्यमी हैं। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय आयोजन का उद्देश्य विदर्भ को भारत के औद्योगिक मानचित्र पर एक मजबूत और उभरते विकास केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

चुनाव आयोग 21 से 23 जनवरी तक आईआईसीडीईएम-2026 की करेगा मेजबानी

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग पहले भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और निर्वाचन प्रबंधन सम्मेलन (आईआईसीडीईएम) 2026 के लिए पूरी तरह से तैयार है। यह सम्मेलन 21 से 23 जनवरी तक यहां के भारत मंडपम में आयोजित होगा। भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईएचआईडीईएम) द्वारा इसका आयोजन किया जा रहा है। चुनाव आयोग के मुताबिक आईआईसीडीईएम 2026 निर्वाचन प्रबंधन और लोकतंत्र के क्षेत्र में भारत द्वारा आयोजित किया जाने वाला इस प्रकार का सबसे बड़ा वैश्विक सम्मेलन होगा। इसमें विश्व-भर के 70 से अधिक देशों के लगभग 100 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ-साथ, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, भारत स्थित विदेशी मिशनों के प्रतिनिधियों, और शिक्षाविदों तथा निर्वाचन कार्यों से जुड़े विशेषज्ञों के भाग लेने की संभावना है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी के साथ 21 जनवरी को उद्घाटन सत्र में प्रतिनिधियों का स्वागत करेंगे और कार्यवाही का शुभारंभ करेंगे। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में निर्वाचन प्रबंध निकायों (ईएमबी) के सामान्य और पूर्ण अधिवेशन में उद्घाटन सत्र, ईएमबी लीडर्स के पूर्ण सत्र, ईएमबी कार्य-समूह की बैठकों के अलावा वैश्विक चुनावी मुद्दों, मॉडल अंतरराष्ट्रीय चुनावी मानकों और चुनावी प्रक्रियाओं में नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं पर आधारित विषयपरक सत्र शामिल हैं। राज्यों/संघ राज्य-क्षेत्रों के सीईओ के नेतृत्व में गठित और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविदों द्वारा समर्थित कुल 36 थीमेटिक समूह इस सम्मेलन के दौरान गहन विचार-विमर्शों में सहभागिता करेंगे। इन चर्चाओं में 4 आईआईटी, 6 आईआईएम, 12 नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एनएलयू) और आईआईएमसी सहित प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों की भी भागीदारी होगी। चुनाव आयोग दुनिया भर में ईएमबी के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा और सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए ईएमबी के साथ 40 से अधिक द्विपक्षीय बैठकें करेगा। आयोग द्वारा चुनाव संबंधी सभी प्रकार की सूचनाओं और सेवाओं के लिए ईसीआई के वन-स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआईनेट का भी औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के साथ-साथ भारत में चुनावों के संचालन की विशालता और जटिलता को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा और चुनाव आयोग द्वारा चुनावों के दो स्तंभों मतदाता सूची तैयार करने तथा चुनावों की संचालन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए हाल ही में की गई पहलों को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

रोकने और शिष्यों के साथ मारपीट को लेकर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने छोड़ा अन्न-जल

प्रयागराज। प्रयागराज माघ मेले में जाने से रोकने और शिष्यों के साथ मारपीट करने से दुखी शंकराचार्य स्वामी

अविमुक्तेश्वरानंद का धरना जारी है। बता दें पालकी यानी रथ यात्रा रोके जाने के विरोध में शंकराचार्य धरने पर बैठे हैं, जहां पुलिस उन्हें छोड़ गई थी। वे अपने पंडाल में पूरी रात ठंड में धरने पर बैठे रहे। 20 घंटे से अन्न ग्रहण नहीं किया है। पानी भी नही पिया। उन्होंने कहा कि जब तक पुलिस प्रशासन सम्मान और प्रोटोकॉल के साथ नहीं ले जाएगा, तब तक गंगा स्नान नहीं करूंगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शंकराचार्य के मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगीराज ने बताया कि शंकराचार्य ने कल से कुछ भी नहीं खाया है। कोई प्रशासनिक अधिकारी भी उनसे मिलने नहीं पहुंचा। सुबह उन्होंने अपनी पूजा और दंड तर्पण उसी स्थान पर किया। वहीं, मौनी अमावस्या पर 4 करोड़ 52 लाख लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई। हर्षा रिछारिया ने कहा कि मौनी अमावस्या पर शंकराचार्य के साथ जो कुछ भी हुआ है। वह गलत और दिल दहला देने वाला है।

भाजपा अध्यक्ष पद के लिए नितिन नबीन ने दाखिल किया नामांकन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने सोमवार को यहां पार्टी के केंद्रीय मुख्यालय में चल रही चुनाव प्रक्रिया में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। भाजपा के मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आज पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा संसदीय दल के साथ नितिन नबीन का नामांकन पत्र भरा गया। नामांकन प्रक्रिया के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, नितिन गडकरी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इसके अलावा विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री और प्रदेश इकाइयों के प्रमुख भी मुख्यालय पहुंचे और इस प्रक्रिया में शामिल हुए। पार्टी सूत्रों के अनुसार, नितिन नबीन ही राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के एकमात्र उम्मीदवार हैं। ऐसे में उनका निर्विरोध चुना जाना तय माना जा रहा है।

किश्तवाड़ के जंगलों में आतंकियों से हुई मुठभेड़ में सेना के 8 जवान घायल

एजेंसी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के ऊपरी और घने वन क्षेत्रों में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में भारतीय सेना के 8 जवान घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह मुठभेड़ कई घंटों तक चली, जिसके बाद देर शाम को गोलीबारी रुकी। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने इस विशेष अभियान को 'ऑपरेशन त्राशी-1' नाम दिया है। यह कार्रवाई उस समय शुरू हुई जब सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम चतरू के उत्तर-पूर्व में स्थित सॉन्नार इलाके में तलाशी अभियान चला रही थी। सुरक्षाबलों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, तलाशी के दौरान अचानक आतंकवादियों से सामना हो गया। खुद को घिरा देख आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी और घेराबंदी तोड़ने के लिए ग्रेनेड से हमला किया। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने तुरंत मोर्चा संभाला और इलाके में अतिरिक्त कुमक भेजी गई। माना जा रहा है कि इस इलाके में दो से तीन आतंकी छिपे हुए हैं, जिनका संबंध पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से है। फिलहाल सेना, सीआरपीएफ और पुलिस की अतिरिक्त टुकड़ियों ने पूरे इलाके को चारों तरफ से सील कर दिया है ताकि आतंकी भागने में सफल न हो सकें। इस मुठभेड़ के दौरान घायल हुए 8 जवानों को तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है। बताया जा रहा है कि इनमें से अधिकांश जवान ग्रेनेड फटने के कारण छर्रे लगने से घायल हुए हैं। राहत की बात यह है कि फिलहाल सभी घायल जवानों की हालत स्थिर बनी हुई है। आतंकियों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें आधुनिक निगरानी उपकरणों, ड्रोन और स्निफर डॉग्स की मदद ली जा रही है।

भारत को लेकर गंभीर अलर्टः अगले दो साल में 'मास एट्रॉसिटी' का खतरा

एजेंसी। नई दिल्ली

- अमेरिकी होलोकॉस्ट म्यूज़ियम की चेतावनी
- सामूहिक हिंसा के खतरे में भारत का वैश्विक सूची में चौथा स्थान
- 7.5 फीसदी जोखिम का आकलन

संयुक्त राज्य अमेरिका के होलोकॉस्ट मेमोरियल म्यूज़ियम की एक अहम रिपोर्ट ने भारत को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। म्यूज़ियम के अर्ली वार्निंग प्रोजेक्ट द्वारा दिसंबर 2025 में जारी वार्षिक वैश्विक आकलन के अनुसार, भारत अगले दो वर्षों में नागरिकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा (मास एट्रॉसिटी) के जोखिम वाले देशों में चौथे स्थान पर है। इस अध्ययन में कुल 168 देशों का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट की सबसे चिंताजनक बात यह है कि भारत उन देशों में शीर्ष पर है, जहां फिलहाल बड़े पैमाने पर सामूहिक हत्याएं नहीं हो रहीं, लेकिन भविष्य में इसके भड़कने की आशंका सबसे अधिक है। यानी भारत को एक संभावित नए "फ्लैशपॉइंट" के रूप में देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 2026 के अंत तक नागरिकों के खिलाफ सुनियोजित सामूहिक हिंसा होने की आशंका 7.5 प्रतिशत है। शोधकर्ता "सामूहिक हिंसा" को ऐसे मामलों के रूप में परिभाषित करते हैं, जहां किसी समूह की पहचान जैसे धर्म, जातीयता, राजनीति या भौगोलिक आधार के कारण एक साल के भीतर कम से कम 1000 गैर-लड़ाकू नागरिकों की हत्या की जाती है। भारत से ऊपर जिन तीन देशों को रखा गया है, वे हैं म्यांमार, चाड और सूडान। हालांकि इन देशों में पहले से ही बड़े पैमाने पर हिंसा और गृह संघर्ष जारी हैं। ऐसे में भारत की स्थिति अलग और अधिक ध्यान देने योग्य मानी जा रही है, क्योंकि यहां अभी व्यापक स्तर पर ऐसी हिंसा नहीं हो रही, लेकिन जोखिम संकेत तेजी से उभर रहे हैं। यह अध्ययन अमेरिकी होलोकॉस्ट मेमोरियल म्यूज़ियम और डार्टमाउथ कॉलेज के शोधकर्ताओं ने मिलकर किया है। इसमें बीते कई दशकों के आंकड़ों का विश्लेषण कर यह समझने की कोशिश की गई कि सामूहिक हिंसा से पहले देशों में कौन-से समान लक्षण दिखाई देते हैं। फिर उन्हीं संकेतों को मौजूदा हालात से मिलाया गया। रिपोर्ट में सवाल उठाया गया है कि "आज कौन-से देश उन देशों से सबसे ज्यादा मिलते-जुलते हैं, जहां अतीत में सामूहिक हत्याएं शुरू होने से एक-दो साल पहले ऐसे हालात बने थे?

झारखंड में बारातियों से भरी बस पलटी नौ लोगों की मौत, दर्जनों घायल

रांची। झारखंड के लातेहार जिले में रविवार को बारातियों से भरी बस अचानक पलट जाने से उसमें सवार कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा महुआडांड़ पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत ओरसा बंगलाधारा घाटी में हुआ। एसपी ने बताया कि छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से बारात लेकर बस लातेहार के महुआडांड़ आ रही थी। अचानक बस पलट गई और पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वालों में से चार महिलाएं हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं एक अन्य अधिकारी ने बताया कि लातेहार के अस्पताल में इलाज के दौरान दो और लोगों की मौत हो गई जबकि एक और सदर अस्पताल में भी दो लोगों की मौत हुई। गुमला के सिविल सर्जन शंभूनाथ चौधरी ने कहा कि नौ घायलों को यहां के सदर अस्पताल में रेफर किया गया था जिनमें से दो को मृत घोषित कर दिया गया। सीएम हेमंत सोरेन ने एक्स पर एक पोस्ट में लातेहार के उपायुक्त को घायलों को उचित चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया। एसडीएम विपिन कुमार दुबे ने बताया कि 60 घायलों को महुआडांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में और 20 से ज्यादा को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

डीएफएस सचिव ने शिखर सम्मेलन में भारत के बीमा क्षेत्र की वृद्धि पर प्रकाश डाला

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने सोमवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) भारत को वैश्विक पुनर्बीमा केंद्र बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभा रहा है। भारतीय बीमाकर्ताओं एवं पुनर्बीमाकर्ताओं को गिफ्ट सिटी के जरिए वैश्विक अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। डीएफएस सचिव एम. नागराजू ने मुंबई में आयोजित 'आईएफएससी–आईआरडीएआई–गिफ्ट सिटी वैश्विक पुनर्बीमा शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारत का पुनर्बीमा क्षेत्र रूपांतरकारी वृद्धि के दौर में है। यह देश की समग्र आर्थिक आकांक्षाओं को मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने आईएफएस-आईआरडीएआई-जीआईएफटी सिटी वैश्विक पुनर्बीमा शिखर सम्मेलन में भारत के बीमा क्षेत्र की वृद्धि पर प्रकाश डाला। डीएफएस सचिव ने समावेशी बीमा विकास के रोडमैप के रूप में "2047 तक सभी के लिए बीमा" के विजन को रेखांकित कियाउन्होंने कहा कि बीमा एवं पुनर्बीमा क्षेत्र भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में मजबूत भूमिका निभाने में मददगार हैं, क्योंकि ये जोखिम प्रबंधन के साथ दीर्घकालिक पूंजी भी उपलब्ध कराते हैं। वित्तीय सेवा सचिव ने 'स्विस री' की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2024 में भारत कुल प्रीमियम मात्रा के आधार पर दुनिया का 10वां सबसे बड़ा बीमा बाजार बना रहा और उसकी वैश्विक हिस्सेदारी 1.8 फीसदी रही। सचिव ने कहा कि सरकार और बीमा नियामक ने क्षेत्र के विस्तार और बीमा की पहुंच बढ़ाने के लिए कई नीतिगत सुधार किए हैं। बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाकर 100 फीसदी कर दी गई है और पिछले वर्ष एक नया पुनर्बीमाकर्ता भी पंजीकृत किया गया। उन्होंने 'सबका बीमा, सबकी रक्षा' (बीमा कानून संशोधन) अधिनियम, 2025 का भी उल्लेख किया, जिसके तहत पॉलिसीधारकों के शिक्षा एवं संरक्षण कोष का गठन, डेटा संरक्षण कानून के साथ तालमेल और बीमा नियामक की शक्तियों को मजबूत किया गया है। नागराजू ने कहा कि आईएफएससीए के तहत गिफ्ट सिटी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप काम कर रही है और विदेशी पुनर्बीमाकर्ताओं को भारत में परिचालन के लिए आकर्षक मंच प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों के सहयोग से '2047 तक सभी को बीमा' का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। देश की 3.7 फीसदी जनसंख्या ही बीमा दायरे में है जिसमें जीवन बीमा 2.7 प्रतिशत और गैर-जीवन बीमा एक प्रतिशत है। बीमा घनत्व बढ़कर 97 डॉलर हो गया जो यह दर्शाता है कि बाजार में अभी भी व्यापक अवसर मौजूद हैं। हालांकि, बीमा क्षेत्र ने वित्त वर्ष 2024-25 में 11.93 लाख करोड़ रुपये के प्रीमियम और 74.44 लाख करोड़ रुपये के एयूएम के साथ मजबूत वृद्धि दर्ज की है।

ख़ास ख़बर

विजय शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने पर राज्य सरकार दो हफ्ते में विचार करे : सुप्रीम कोर्ट

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। आपरेशन सिंदूर के बारे में प्रेस ब्रीफिंग करने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। उच्चतम न्यायालय ने राज्य सरकार से विजय शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए दो हफ्ते में अनुमति देने पर विचार करने को कहा है। दरअसल, एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि निचली अदालत में लंबित मामले में राज्य सरकार से जरूरी अनुमति नहीं मिली है। विजय शाह के वकील ने कोर्ट से कहा कि हमने माफी मांग ली थी। तब कोर्ट ने माफी पर विचार करने से मना करते हुए कहा कि अब बहुत देर हो चुकी है। उच्चतम न्यायालय ने 19 मई 2025 को विजय शाह को जांच में शामिल होने की शर्त पर गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी। कोर्ट ने इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी के गठन का आदेश दिया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने विजय शाह को उनके बयान के लिए फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था कि इस बयान से पूरा देश शर्मिंदा है। इसके पहले 15 मई, 2025 को उच्चतम न्यायालय ने विजय शाह को फटकार लगाते हुए कहा था कि आप ऐसा बयान कैसे दे सकते हैं, आप जानते हैं आप कौन हैं, आप सरकार में मंत्री हैं। जब देश संकट से गुजर रहा हो तो हर शब्द का महत्व होता है, अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। विजय शाह की ओर से मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के एफआईआर दर्ज करने के आदेश को चुनौती दी गई है। दरअसल, इंदौर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम लिए बिना विवादित बयान दिया था। इस बयान के बाद काफी हंगामा खड़ा हुआ था। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने इस मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए विजय शाह पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद विजय शाह पर एफआईआर दर्ज की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक सुधार की याचिका पर सुनवाई करने से किया इनकार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने न्यायिक सुधार के लिए अपनी तरफ से सुझाव देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने हिंदी में अपनी बातें रखी। चीफ जस्टिस ने भी उन्हें हिंदी में समझाते हुए कहा कि आप देश में और न्यायपालिका में बदलाव चाहते है, तो आपको ऐसी जनहित याचिका डालने की जरूरत नहीं है। आप बस एक पत्र मुझे लिखकर भेज दीजिए। आप हर केस को समय सीमा में निपटाने की बात कर रहे हैं, आपको समझना होगा कि इसमें जांच एजेंसी का भी रोल होता है। पुलिस और कोर्ट का काम दोनों अलग-अलग होता है। हम हर दिन एसएचओ को बुलाकर जांच के बारे में नहीं पूछ सकते हैं। आप कह रहे हैं कि एक साल में हर कोर्ट फैसला दे। आपको अंदाजा भी है कि इसके लिए कितने कोर्ट की जरूरत होगी। कोर्ट ने याचिका को पब्लिसिटी के लिए दायर याचिका करार देते हुए कहा कि आप लॉन में मौजूद कैमरामैन के लिए याचिका मत डालिए। कुछ सुझाव है, तो मुझे पत्र लिख दीजिए।

एसईए ने रेलवे कर्मचारियों की बहुराज्य सहकारी समितियों के साथ परामर्श बैठक की

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। सहकारी निर्वाचन प्राधिकरण (सीईए) ने रेलवे कर्मचारियों की बहुराज्य सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों के साथ सोमवार को एक परामर्श बैठक आयोजित की। इसका उद्देश्य बहुराज्य सहकारी समितियां (संशोधन) अधिनियम, 2023 के प्रावधानों के अनुरूप समितियों के उपविधियों (बायलॉज) को संरेखित करने की प्रक्रिया को सुगम बनाना था। सहकारित मंत्रालय के अनुसार, बैठक में रेलवे कर्मचारियों की 16 बहुराज्य सहकारी समितियों के 40 से अधिक पदाधिकारियों ने भाग लिया। सीईए के अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि वर्ष 2023 में बहुराज्य सहकारी समितियां अधिनियम में किए गए संशोधनों के बाद सहकारी चुनाव प्राधिकरण की स्थापना की गई। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण को बहुराज्य सहकारी समितियों में मतदाता सूची तैयार करने और स्वतंत्र, निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सिंह ने जानकारी दी कि अब तक सीईए 220 चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न करा चुका है, जबकि देशभर में 70 चुनाव वर्तमान में प्रगति पर हैं। उन्होंने बताया कि रेलवे कर्मचारियों की कुल लगभग 18 बहुराज्य सहकारी समितियां हैं, जिनके सदस्य लगभग 8 से 10 लाख रेलवे कर्मचारी हैं। ये समितियां मुख्य रूप से सदस्यों से जमा स्वीकार करने और रियायती दरों पर ऋण उपलब्ध कराने का कार्य करती हैं। इन समितियों के पास लगभग 10 हजार करोड़ रुपये के जमा और ऋण का कारोबार है, जिनमें से चार समितियों के पास बैंकिंग लाइसेंस भी हैं। सीईए ने अब तक रेलवे कर्मचारियों की पांच सहकारी संस्थाओं—जैक्सन को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी (पश्चिम रेलवे, मुंबई), एसई, एसईसी एंड ईसी रेलवे कर्मचारी सहकारी क्रेडिट सोसायटी (कोलकाता), एनई एवं ईसी रेलवे कर्मचारी बहुराज्य प्राथमिक सहकारी बैंक (गोरखपुर), रेलवे श्रमिक सहकारी बैंक (बीकानेर) और ईस्टर्न रेलवे कर्मचारी सहकारी बैंक (कोलकाता) के चुनाव संपन्न कराए हैं। बैठक में उपविधियों को संशोधित अधिनियम के अनुरूप बनाने, प्रतिनिधि आम निकाय के गठन और प्रतिनिधियों के चुनाव, बोर्ड का कार्यकाल समाप्त होने से कम से कम छह माह पूर्व चुनाव प्रस्ताव प्रस्तुत करने तथा पारदर्शिता बढ़ाने के लिए कार्यशील वेबसाइट बनाए रखने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। सीईए द्वारा चुनाव प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने के लिए रिटर्निंग अधिकारियों के लिए मैनुअल, मतदाता सूची तैयार करने की पुस्तिका, आदर्श आचार संहिता तथा उम्मीदवारों द्वारा चुनाव खर्च विवरण प्रस्तुत करने संबंधी दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं। बैठक में सीईए के उपाध्यक्ष आरके गुप्ता ने चुनाव संचालन में आने वाली चुनौतियों और प्राधिकरण द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रस्तुति दी। केंद्रीय सहकारी रजिस्ट्रार आनंद कुमार झा और सीईए की सदस्य मोनिका खन्ना ने अधिनियम, 2023 के अनुरूप शीघ्र उपविधि संशोधन की आवश्यकता पर जोर दिया।

सोमवार को नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में आयोजित राजस्थान के सांसदों, केंद्रीय मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों के लिए आयोजित रात्रि भोज में शिरकत करते हुए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल लाल शर्मा।

राहुल गांधी ने केरल के निकाय चुनावों में कांग्रेस और यूडीएफ के शानदार प्रदर्शन पर दी बधाई

लोकतंत्र की शान , संवाददाता जीशान अली

नई दिल्ली: लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केरल में स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के शानदार प्रदर्शन पर कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को बधाई दी। केरल के कोच्चि में ग्राम पंचायतों, ब्लॉक पंचायतों, जिला परिषदों, नगरपालिकाओं और नगर निगम चुनावों में जीतकर आए हजारों नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों की महापंचायत में राहुल गांधी ने भरोसा जताया कि प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों में यूडीएफ भारी बहुमत से जीत हासिल करेगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि ग्राम पंचायत, ब्लॉक पंचायत, जिला परिषद, नगरपालिकाओं और नगर निगम- हर स्तर पर कांग्रेस और यूडीएफ को मजबूत जनसमर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि पंचायतें लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला हैं और संविधान की रक्षा के लिए पंचायतों और नगरपालिकाओं को सशक्त बनाना जरूरी है। उन्होंने याद दिलाया कि 73वां और 74वां संविधान संशोधन कांग्रेस की देन हैं। उन्होंने कहा कि संविधान का आधार 'एक व्यक्ति, एक वोट' है और इसका मतलब यह है कि प्रत्येक भारतीय नागरिक की राय देश के संचालन में होनी चाहिए। भाजपा-आरएसएस पर हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वे सत्ता के केंद्रीकरण में विश्वास रखते हैं, जबकि कांग्रेस सत्ता को जनता तक पहुंचाने की विचारधारा में विश्वास करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस देश में मौन की संस्कृति फैलाना चाहते हैं, ताकि लोगों की आवाज दबाकर देश की संपदा कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों को सौंपी जा सके। केरल में बेरोजगारी की समस्या का उल्लेख करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यूडीएफ को प्रदेश के लिए एक स्पष्ट और ठोस विजन पेश करना होगा, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि नेतृत्व तभी सफल होगा जब वह जनता के लिए सुलभ, विनम्र और उनसे जुड़ा हुआ हो।

कांग्रेस ने की शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ दुर्व्यवहार और उन्हें शाही स्नान करने से रोकने की कड़ी निंदा

लोकतंत्र की शान , संवाददाता जीशान अली

नई दिल्ली: कांग्रेस ने प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शाही स्नान से रोके जाने और उनके साथ हुए दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की है। पार्टी ने कहा कि खुद को हिंदुओं का मसीहा बताने वाली भाजपा सरकार हिंदु संतों का अपमान कर रही है और आज हालात यह हैं कि शंकराचार्य को अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंका है और अनशन पर बैठने को मजबूर होना पड़ा हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई संवेदनशील प्रतिक्रिया नहीं आई है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी के मीडिया व पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन एवं पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थकों और पुलिस के बीच हुई झड़प का वीडियो दिखाते हुए आरोप लगाया कि भाजपा नेता न काम के हैं, न राम के; वे सिर्फ सत्ता और धन के हैं। यही भाजपा का असली चेहरा है, जिसे जनता के सामने लाना जरूरी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पिछले 40 वर्षों से नियमित रूप से शाही स्नान करते आ रहे हैं और यह पहली बार है जब उन्हें इस अखंड धार्मिक परंपरा से रोका गया है। उन्होंने कहा कि मौनी अमावस्या का शाही स्नान एक अखंड परंपरा है, जिसमें विघ्न डालना असुरों का काम माना जाता है। खेड़ा ने कहा कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने स्वयं सार्वजनिक रूप से भगदड़ की आड़ में उनके खिलाफ किसी साज़िश की कोशिश की आशंका जताई है। उन्होंने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है कि जिस राज्य में तथाकथित 'ट्रिपल इंजन सरकार' है, वहां एक शंकराचार्य खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद से शंकराचार्य जी अनशन पर बैठे हैं, लेकिन सरकार में किसी को फर्क नहीं पड़ रहा है। शंकराचार्य के साथ हुए दुर्व्यवहार को शर्मनाक बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए, अन्यथा वे 'सनातनी' नहीं, 'धनातनी' कहलाएंगे।

विश्वनाथन आनंद ने शतरंज महाकुंभ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया

लोकतंत्र की शान

दिल्ली। शतरंज महाकुंभ के बैनर तले सामाजिक और शैक्षिक शतरंज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन आज कीट यूनिवर्सिटी में हुआ, जो भारत में अपनी तरह के पहले मेगा शतरंज सम्मेलन की शुरुआत का संकेत है। अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (एफआईडीई) और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के सहयोग से 14 से 16 जनवरी तक आयोजित इस सम्मेलन ने शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन के एक उपकरण के रूप में शतरंज की भूमिका पर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया। उद्घाटन के दिन कीट में प्रमुख शतरंज इंफ्रास्ट्रक्चर और पहलों का भी शुभारंभ हुआ, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय शतरंज हॉल और विश्वनाथन आनंद शतरंज अकादमी शामिल हैं, जो जमीनी स्तर और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शतरंज को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। इस कार्यक्रम में वैश्विक शतरंज प्रशासकों और दिग्गजों की एक प्रभावशाली श्रृंखला शामिल हुई, जिसमें एफआईडीई अध्यक्ष और रूस के पूर्व उप प्रधान मंत्री अर्कादी ड्वोरकोविच, एफआईडीई उपाध्यक्ष और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद, एफआईडीई उप अध्यक्ष और लातविया की पूर्व वित्त मंत्री डाना रेज़नीस, नितिन नारंग, सचिव देव सहित अन्य लोग शामिल थे। उद्घाटन के मौके पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, विश्वनाथन आनंद ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें भुवनेश्वर लौटकर खुशी हुई और उन्होंने खेलों को संस्थागत समर्थन के लिए राष्ट्रीय मंचों पर कीट की लगातार पहचान की प्रशंसा की। उन्होंने कीट की सामाजिक पहलों को सराहनीय बताया और इस क्षेत्र में संस्थान द्वारा किए गए परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में बात की। आनंद ने इस बात पर जोर दिया कि शतरंज एक शक्तिशाली शैक्षिक उपकरण है, यह देखते हुए कि जो छात्र नियमित रूप से शतरंज खेलते हैं, वे अक्सर शैक्षणिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने शतरंज को सामाजिक विकास से जोड़ने वाली नई पहलों के बारे में भी बात की, जिसमें जेलों में इसका उपयोग शामिल है, और कहा कि वह इस कार्यक्रम को और विस्तार करते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। एफआईडीई अध्यक्ष अर्कांडी ड्वोरकोविच ने शतरंज को बढ़ावा देने के प्रति डॉ. सामंत के जुनून और अटूट प्रतिबद्धता के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह खेल महत्वपूर्ण जीवन कौशल और संज्ञानात्मक क्षमताओं को विकसित करने में मदद करता है जिन्हें अन्य माध्यमों से हासिल करना मुश्किल है, जिससे यह ज्ञान निर्माण और व्यक्तिगत विकास के लिए एक मजबूत साधन बन जाता है। कीट और कीस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने इस अवसर को ऐतिहासिक बताया, और कहा कि शतरंज और विश्वनाथन आनंद एक-दूसरे से अलग नहीं किए जा सकते। उन्होंने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि ओडिशा में पहली बार इतना प्रतिष्ठित ग्लोबल कॉन्फ्रेंस आयोजित किया जा रहा है और बताया कि 40 से ज़्यादा देशों के प्रतिनिधियों के साथ 5,000 से ज़्यादा छात्र और खिलाड़ी इसमें भाग ले रहे हैं। डॉ. सामंत ने यह भी बताया कि कीस के ज़रिए शतरंज कैसे ज़मीनी स्तर के समुदायों तक पहुँचा है, और बताया कि हज़ारों आदिवासी बच्चे सक्रिय रूप से यह खेल खेल रहे हैं। शतरंज महाकुंभ कॉन्फ्रेंस में 40 से ज़्यादा देशों की जानी-मानी शतरंज हस्तियों के साथ-साथ 80 प्रमुख भारतीय खिलाड़ियों ने भाग लिया।

सोनोवाल के नाम से वायरल पत्र को उनके कार्यालय ने बताया फर्जी, दर्ज कराई एफआईआर

लोकतंत्र की शान

मंत्री
आयुष मंत्रालय
एवं पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय
भारत सरकार

Minister of Ayush and Ports, Shipping & Waterways Government of India

सर्बानंद सोनोवाल
SARBANANDA SONOWAL

No. W-11011/2026-IEC
Dated : 15 Jan, 2026

To
The National President
Bharatiya Janata Party
New Delhi

Subject: Serious ground situation in Assam and urgent need for course correction before 2026 Assembly Elections

Respected Adhyaksh Ji,

FAKE

Yours Sincerely,
(Sarbananda Sonowal)

नई दिल्ली। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के कार्यालय ने सोशल मीडिया पर चल रहे उस पत्र को फर्जी बताया है, जिसमें दावा किया गया था कि असम भाजपा में चल रही कलह दिल्ली पहुंच गयी है और इसको लेकर सोनोवाल ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को पत्र लिखा है। सोनोवाल के कार्यालय ने इसको लेकर एफआईआर दर्ज कराते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सोनोवाल के कार्यालय ने आधिकारिक पत्र जारी करते हुए कहा कि मीडिया के कुछ हिस्सों में चल रही उन खबरों को गंभीरता से लिया गया है, जिसमें दावा किया गया था कि सोनोवाल ने पार्टी की भीतरी कलह को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष को पत्र लिखा। पत्र में असम में नेतृत्व परिवर्तन की बातों के साथ मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ भी कई दावे किए गए। सोनोवाल के कार्यालय ने कहा कि सोशल मीडिया और मीडिया के कुछ हिस्सों में चल रही उस फर्जी वायरल पत्र की बातें फर्जी तथ्यहीन और निराधार हैं। पत्र पर जाली आधिकारिक लेटरहेड और केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के फर्जी हस्ताक्षर हैं। ऐसी फर्जी सामग्री का प्रसार करना गंभीर आपराधिक कृत्य है। इस कृत्य का मकसद फर्जी सूचना फैलाकर सरकारी प्राधिकरण को बदनाम करना है। उनके कार्यालय ने बताया कि इस मामले में एफआईआर कराके कानून प्रवर्तन एजेंसियों से प्राथमिकता के आधार पर जांच करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। मंत्री के कार्यालय ने आम लोगों और मीडिया को सलाह दी कि ऐसी फर्जी और असत्यापित सामग्री पर भरोसा न किया जाए और न ही इसे प्रसारित किया जाए।

भूमिहार ब्राह्मण समाज का समग्र विकास शिक्षा, सामाजिक एकता और नैतिक मूल्यों के सुदृढ़ीकरण से ही संभव - उज्ज्वल रमण

संसाधनों को साझा करके समाज के भीतर सहयोग की मजबूत श्रृंखला तैयार करे समाज- डॉ. शर्मा

लोकतंत्र की शान

» बीबीपी ट्रस्ट का मकर संक्रांति स्नेह मिलन समारोह संपन्न

नयी दिल्ली। प्रयागराज से लोकसभा सांसद उज्वल रमण सिंह ने कहा है कि भूमिहार ब्राह्मण समाज का समग्र विकास शिक्षा, सामाजिक एकता और नैतिक मूल्यों के सुदृढ़ीकरण से ही संभव है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि मकर संक्रांति जैसे पर्व पर आयोजित होने वाले स्नेह सम्मेलन जैसे कार्यक्रम समाज को जोड़ने और सकारात्मक संवाद के प्रभावी मंच होते हैं। उज्वल रमन सिंह ने रविवार को भूमिहार ब्राह्मण परिवार ट्रस्ट (बीबीपी ट्रस्ट), एनसीआर-गाजियाबाद द्वारा आयोजित मकर संक्रांति स्नेह मिलन समारोह में बोलते हुए बतौर मुख्य अतिथि ये उद्गार व्यक्त किये। स्नेह मिलन समरोह गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 700 से अधिक समाजबंधुओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथिगण बालेश्वर त्यागी (पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार), केसी त्यागी (पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ राजनेता), अतुल कुमार राय (पूर्व सांसद, घोसी–मऊ), डॉ. संजय राय (प्रख्यात कोविड वैक्सीन विशेषज्ञ), अजीत सिंह (प्रधान संपादक, भोजपुरी संगम पत्रिका) एवं गोपाल राय (राष्ट्रीय अध्यक्ष, विश्व हिंदू रक्षा परिषद) ने संयुक्त रूप से सामाजिक एकता एवं समरसता, शिक्षा के विस्तार, युवाओं के मार्गदर्शन, स्वास्थ्य जागरूकता, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और संगठित सामाजिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर भूमिहार ब्राह्मण परिवार ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ. रतन शर्मा ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि समाज का वास्तविक विकास तभी संभव है जब शिक्षा, युवा सशक्तिकरण, महिला सहभागिता, सामाजिक सहयोग और नैतिक मूल्यों का संतुलित विकास किया जाए। उन्होंने संसाधन साझा करने और समाज के भीतर सहयोग की एक मजबूत श्रृंखला तैयार करने पर जोर दिया और कहा कि हमारी सामाजिक एकता भविष्य की सबसे बड़ी शक्ति बनेगी। समारोह के दौरान मेधावी छात्रों एवं विशिष्ट जनों का सम्मान, संस्था की गतिविधियों का संक्षिप्त प्रतिवेदन तथा सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श भी किया गया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में ट्रस्ट के ट्रस्टी सदस्यों एचएन राय, उपेन्द्र राय, सुभाष राय, रमेश राय, श्रीराम राय, अभय राय, अनिल राय, आनंद बिहारी राय, आर. के. राय, रजनीश राय, भानू राय, पीके राय, दिनेश सिंह, अम्लेश राय, देवेश राय एवं अन्य सहयोगी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का समापन खिचड़ी चूड़ा एवं पारंपरिक व्यंजनयुक्त भोजन के बाद किया गया।

संक्षिप्त समाचार

23 जनवरी तक मांगे पूरी न होने पर 24 जनवरी को तहसील का घेराव करेगी भाकियू शंकर

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा: हसनपुर: सोमवार को भारतीय किसान यूनियन शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने चकबंदी विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए अधिकारियों पर सुविधा शुल्क लेकर ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जे करने का आरोप लगाया, साथ ही तहसील भवन से चेतन चौहान मार्ग पर लगने वाले जाम और दुर्घटनाओं को देखते हुए रामपुर रोड पर अतिरिक्त गेट खोलने की मांग उठाई, संगठन द्वारा उप जिलाधिकारी हसनपुर हिमांशु उपाध्याय को 9 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया जिसमें लिखित सभी मांगे 23 जनवरी तक पूरी न होने पर 24 जनवरी को तहसील परिसर हसनपुर में विशाल धरना प्रदर्शन एवं तहसील घेराव की चेतावनी दी गई है।

जिला पंचायत सदस्य ने जरूरतमंदों को कंबल वितरित किये

लोक तंत्र की शान : शाहाबाद हरदोई। जिला पंचायत सदस्य मंजू देवी राजेंद्र ने सोमवार को पार्क में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जरूरतमंदों को कंबल वितरण किये। जरूरतमंद कंबल पाकर प्रसन्न देखे गए। जिला पंचायत सदस्य मंजू देवी राजेंद्र अपने समर्थकों के साथ अंबेडकर पार्क पहुंची। यहां पर उन्होंने अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया और उसके बाद पहले से मौजूद तमाम जरूरतमंदों को ठंड से बचाने के लिए उन्होंने कंबल वितरण किया। कंबल पाकर गरीबों के चेहरे खिल उठे। इस मौके पर लालता प्रसाद, हरिकरण, हरिओम, अजय प्रधान, शिव शंकर एवं बहुजन समाज के तमाम लोग मौजूद रहे।

पिता ने घर से लापता पुत्री को आरोपी के साथ पकड़कर पुलिस को सौंपा

लोक तंत्र की शान : हरदोई। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी के लापता होने पर पिता ने ग्रामीणों के साथ पुत्री को गांव के बाहर आरोपी के साथ पकड़कर पुलिस के हवाले किया है।पुलिस ने पिता की लिखित तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की है। पीड़ित पिता के अनुसार वह रविवार को सुबह सोकर उठा तो उसकी 16 वर्षीय पुत्री घर से गायब थी।उसने पुत्री को तलाश किया तो किसी के द्वारा सूचना मिली कि उसकी पुत्री गांव के बाहर पुलिया पर किसी युवक के साथ खड़ी है।उसने ग्रामीणों के साथ मौके पर जाकर पुत्री और शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला उधरन पुर निवासी सुरज पुत्र छंगे को पकड़ कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। पीड़ित पिता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की है।

पुरानी रंजिश में महिला को मारपीट कर किया घायल, रिपोर्ट

लोक तंत्र की शान : हरदोई। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम अमखेरवा मजरा मानपुर में पुरानी रंजिश को लेकर एक महिला को मारपीट कर घायल करने के मामले में पुलिस ने एसपी को पीड़िता द्वारा दी गई लिखित तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता चेतकुमारी पत्नी सुखराम के अनुसार 10 जनवरी की शाम करीब 7 बजे अपने दरवाजे पर पानी की टोंकी के निकट लघुशंका कर रही थी।पुरानी रंजिश को लेकर गांव निवासी मुनेश पुत्र रामचरन ने अपने भाई दिनेश और बलवीर के साथ मिलकर उसे गाली गलौज किया।गाली देने से मना करने पर आरोपियों ने उसे लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया।शोर सुनकर उसका पति उसे बचाने आया तो विपक्षियों ने उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया।उसने घटना की लिखित सूचना पुलिस को दी लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के आदेश पर बेहटा पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीडीपीओ पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा डीएम से शिकायत

लोक तंत्र की शान : शाहाबाद हरदोई। बाल विकास परियोजना अधिकारी टोडरपुर राहुल सिंह पर लंबे समय से तैनाती के दौरान भ्रष्टाचार करने के आरोप लगाते हुए डीएम से शिकायत की गई है। दिनेश सिंह पुत्र राम सिंह निवासी ग्राम रामपुर हम्जा ने आरोप लगाया है कि बाल विकास परियोजना अधिकारी राहुल सिंह 5 वर्षों से एक ही परियोजना में डटे हैं जिसके चलते भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी की बदौलत राहुल सिंह ने शाहाबाद सीडीपीओ का चार्ज भी ले रखा है। एक ही स्थान पर बने रहने का आरोप भी जड़ा है। आरोप है कि मुख्य सेविका सृष्टि तिवारी को टोडरपुर से और ब्लॉक समन्वयक प्रशांत मिश्रा को कोथावां से शाहाबाद कार्यालय में बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा लगा रखा है और उनके माध्यम से ही भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इन दोनों के भ्रष्टाचार से आंगनबाड़ी कार्यकर्ती काफी त्रस्त हैं।

डीएम ने बाल विवाह के विरुद्ध दिलाई गई शपथ

लोक तंत्र की शान : अलीगढ़। बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई के विरुद्ध जनपद प्रशासन ने सशक्त संदेश देते हुए कलक्ट्रेट परिसर में शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं मुख्य विकास अधिकारी योगेंद्र कुमार सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारियों ने सामूहिक रूप से बाल विवाह के खिलाफ शपथ लेकर इसे जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया। शपथ के दौरान अधिकारियों ने कहा कि बाल विवाह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यह बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और समग्र विकास में गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। इससे उनके सपने अधूरे रह जाते हैं और समाज की प्रगति भी प्रभावित होती है। अधिकारियों ने यह शपथ ली कि वे बाल विवाह के विरुद्ध हर संभव प्रयास करेंगे, अपने परिवार, पड़ोस और समुदाय में किसी भी बालिका का बाल विवाह नहीं होने देंगे और यदि कहीं इस प्रकार का प्रयास होता है तो उसकी सूचना तत्काल पंचायत एवं शासन-प्रशासन को देंगे। साथ ही सभी बच्चों की शिक्षा एवं सुरक्षा के लिए आवाज उठाते हुए बाल विवाह मुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प भी लिया गया। जिलाधिकारी ने अपने संदेश में कहा कि बाल विवाह रोकना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। जनजागरूकता, समय पर सूचना और सामूहिक प्रयासों से ही इस कुप्रथा को समाप्त किया जा सकता है।

कूड़े के ढेर पर पड़े बुजुर्ग को राहगीर ने सीएचसी टप्पल पर भर्ती कराया

लोक तंत्र की शान : अलीगढ़। टप्पल थाना क्षेत्र में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यमुना एक्सप्रेस-वे के पास गांव श्यारौल के नजदीक रविवार शाम को कूड़े के ढेर में एक बीमार और घायल अधेड़ पॉलीथिन और सड़ा कचरा खाते हुए पड़ा मिला। शरीर पर जख्म, आंखों में लाचारी और कई दिनों की भूख...यह वही मजदूर था, जिसने करीब 10 साल तक ईमानदारी से काम किया, लेकिन बीमारी आते ही उसे बोझ समझकर बेसहारा छोड़ दिया गया।

"डीएम खीरी की पाठशाला" से बेटियों के उज्जवल भविष्य को लगेंगे चार चांद

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : डबल इंजन सरकार के विजन "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" को हर बेटी तक पहुंचाने के लिए लखीमपुर खीरी जिला प्रशासन ने अनोखी पहल शुरू की है। इसके तहत जिले की हर बेटी के जीवन में शिक्षा की रोशनी फैलाने के लिए "डीएम खीरी की पाठशाला" का शुभारंभ किया गया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व जनप्रतिनिधियों द्वारा सोमवार को परिषदीय तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की 9,000 छात्राओं को "विद्यादायिनी पोटली" सौंपी गई। पोटली में बेटियों को व्हाइट बोर्ड कम स्टडी टेबल, मार्कर व डस्टर आदि उपहार प्रदान किए गए।

हर बेटी तक "विद्यादायिनी पोटली" पहुंचाने का संकल्प- जिलाधिकारी ने बताया कि "डीएम खीरी की पाठशाला" का उद् देश्य जिले की बेटियों की पढ़ाई सिर्फ स्कूल तक सीमित न रहकर घर पर भी पढ़ाई के लिए उचित संसाधन उपलब्ध कराना है। इस पहल से बेटियों को स्कूल के साथ घर पर भी पढ़ाई के लिए सुविधा तथा बेहतर माहौल मिलेगा। वे अपनी छोटी-सी पाठशाला घर में ही स्थापित कर सकेंगी। इसके जरिये वह अपनी पढ़ाई तो करेंगी ही, साथ में अपने आस-पास और परिवार में शिक्षा के माहौल के जरिये लोगों को पढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी। इस अनोखी पहल के तहत पहले चरण में 9 हजार बेटियों को "विद्यादायिनी पोटली" सौंपी गई है। यह प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी। इसे हर बेटी तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया है, ताकि डबल इंजन सरकार के विजन को धरातल पर शत प्रतिशत पूरा किया जा सके।

19.80 लाख से तैयार हुईं विद्यादायिनी पोटली – "डीएम खीरी की पाठशाला" के तहत पहले चरण में परिषदीय विद्यालयों की 6,798 टॉपर बेटियों, वाल ऑफ ड्रीम्स में चयनित 51 बेटियों और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत 2,151 बेटियों को "विद्यादायिनी पोटली" उपलब्ध कराई गई है। परिषदीय विद्यालयों में कक्षा 6, 7 व 8 की दो-दो टॉपर बेटियों को पोटली उपलब्ध कराई गई है। ये 9 हजार पोटली 19 लाख 80 हजार रुपये की लागत से तैयार की गई हैं। इस पोटली को डबल इंजन सरकार के "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" विजन को आगे बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय राजापुर में सोमवार को आयोजित मेगा इवेंट में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल तथा विधायक सदर योगेश वर्मा ने ये पोटलियां छात्राओं में वितरित कीं।

नोएडा की घटना का मुख्यमंत्री योगी ने लिया संज्ञान

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने सोमवार को नोएडा की घटना का संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने युवराज मेहता की मृत्यु के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए घटना की जांच के लिए ADG जोन मेरठ के नेतृत्व में 3 सदस्यीय SIT की टीम गठित किया है। टीम में ADG जोन मेरठ के अलावा मंडलायुक्त मेरठ और चीफ इंजीनियर PWD भी शामिल हैं। अधिकारियों की यह टीम 5 दिनों में मामले की जांच कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष रिपोर्ट सौंपेगी। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि पूरे राज्य में दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर उसका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस प्रकार की कोई घटना प्रदेश में दोबारा न हो, इसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उल्लेखनीय है कि यह घटना 16 जनवरी की रात करीब 12 बजे की है। इंजीनियर युवराज गुरुग्राम में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर काम करता था और वह सेक्टर-150 की टाटा सोसाइटी की ओर जा रहा था। इस दौरान अचानक गाड़ी एक गहरे पानी भरे नाले में जा गिरी जिससे युवक की मौत हो गई। मुख्यमंत्री योगी ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की है।

शेषनाग धाम के 22 वे स्थापना दिवस पर हजारों की संख्या में सनातन धर्म के लोगों ने किया प्रतिभा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः सोमवार को हसनपुर तहसील क्षेत्र के मछरई मनौटा स्थिति त्रिमूर्ति शेषनाग धाम आश्रम में आश्रम का 22 वां स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया, इस मौके पर विशाल सनातन सम्मेलन भजन संध्या और भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें अमरोहा जिले के साथ-साथ संभल और मुरादाबाद जिले से भी पहुंचे हजारों श्रद्धालुओ ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए, कार्यक्रम धाम के महामंडलेश्वर स्वामी हर मनोज दास के सानिध्य में संपन्न हुआ, स्थापना दिवस के उपलक्ष में आयोजित सनातन सम्मेलन में विद्वानों ने धर्म की व्याख्या की संभल से पधारे मुख्य वक्ता आचार्य दुष्यंत शास्त्री ने अपने प्रवचनों से भक्तों को संबोधित किया उन्होंने कहा सनातन वह सत्य है जो सृष्टि के आरंभ से है और अंत तक रहेगा जिसका न कोई आदि है और ना ही कोई अंत, वही महामंडलेश्वर स्वामी हर मनोज दास ने बताया कि प्रतिवर्ष माघ माह की अमावस्या पर यहां विसाल भंडारे की परंपरा है, उन्होंने धाम की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि शेषनाग धाम पर श्रद्धापूर्वक दूध अर्पित करने से भक्तों के सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, कार्यक्रम के दौरान भजन गायको ने धार्मिक प्रस्तुति दी जिस से वातावरण शिवमय बन गया,वहीं सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा,कार्यक्रम में मुख्य रूप से महामंडलेश्वर साध्वी गीता प्रधान, कुलदीप विद्यार्थी, रामकिशोर त्यागी, सरदार राजेंद्र सिंह, कुमार रोबिन त्यागी, विजेंदर त्यागी, खन्ना जी एवं अन्य गढ़ माननीय लोग उपस्थित रहे।

जनता दर्शन: बेघर की गई सीमा को मिला न्याय का भरोसा

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' किया। उन्होंने प्रदेश भर से आए हर फरियादी की समस्या सुनी और निराकरण के लिए अफसरों को निर्देश दिया। इस दौरान लखनऊ निवासी महिला सीमा ने मुख्यमंत्री से आर्थिक विपन्नता का जिक्र किया और पति द्वारा घर से निकाले जाने की शिकायत की। आग्रह किया कि उन्हें घर में रहने की जगह दिलाई जाए। इस पर मुख्यमंत्री ने पुलिस आयुक्त को तत्काल उचित कार्रवाई का निर्देश दिया। लखनऊ निवासी सीमा अपनी दो बच्चियों को लेकर सोमवार को 'जनता दर्शन' में पहुंची। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि ससुर का निधन हो गया है। पति व ससुराल वालों ने उन्हें घर से निकाल दिया। दो छोटी बच्चियों को लेकर वह भटक रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से उन्हें वापस ससुराल में भिजवाने तथा वहां रहने देने के लिए गुहार लगाई। महिला ने बच्चों के लालन-पालन के लिए आर्थिक सहायता की मांग करते हुए मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाई। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस आयुक्त को मामले में तत्काल उचित कार्रवाई का निर्देश दिया।

जब 'बाबा' बन गए मुख्यमंत्री –मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में अपने माता-पिता के साथ आए सभी बच्चों को चॉकलेट दी और मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा। इस दौरान मां सीमा के साथ दो साल की नन्ही अनन्या भी आई थी। मुख्यमंत्री ने उसे भी चॉकलेट दी और दुलार किया। चॉकलेट पाकर बच्ची खिलखिला उठी। जब मुख्यमंत्री ने उससे चॉकलेट मांगी तो उसने बड़ी मासूमियत से चॉकलेट वापस सीएम की तरफ बढ़ा दी। यह देखकर मुख्यमंत्री का बालप्रेम उमड़ पड़ा। इस दौरान नन्ही बच्ची की भाव भंगिमा और मुख्यमंत्री का संवाद देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति भाव-विभोर हो गया।

दावोस 2026 में यूपी ने 9,750 करोड़ के करार (MoU) किए, स्वच्छ ऊर्जा, एआई और रक्षा क्षेत्र को मिली नई रफ्तार

लोकतंत्र की शान

दावोस : उत्तर प्रदेश सरकार का प्रतिनिधिमंडल, माननीय वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना के नेतृत्व में, विश्व आर्थिक मंच (WEF) की वार्षिक बैठक 2026 में दावोस पहुंचकर वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करने और बड़े निवेश आकर्षित करने के लक्ष्य के साथ सक्रिय रूप से आगे बढ़ा। राज्य की निवेश प्रोत्साहन एवं सुविधा एजेंसी इन्वेस्ट यूपी के समन्वय में प्रतिनिधिमंडल ने कई रणनीतिक बैठकों में भाग लिया और महत्वपूर्ण MoU पर हस्ताक्षर किए। ये प्रयास उत्तर प्रदेश को भारत के सबसे भविष्य के लिए तैयार (Future-ready) और निवेशकों के लिए अनुकूल राज्यों में स्थापित करने की दिशा में निर्णायक कदम हैं। दावोस में 9,750 करोड़ के MoU के साथ उत्तर प्रदेश ने स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रक्षा विनिर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों में निवेश की मजबूत संभावनाएं दिखाई हैं। प्रमुख MoU में सेल इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड (SAEL Industries Ltd) के साथ 8,000 करोड़ के वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट, सिफी टेक्नोलॉजीज़ (Sify Technologies) के साथ 1,600 करोड़ के AI-रेडी डेटा सेंटर और नोएडा में AI सिटी विकसित करने का समझौता, तथा योमन (Yeoman) के साथ 150 करोड़ के रक्षा विनिर्माण और वेपन सिस्टम इंटीग्रेशन के लिए साझेदारी शामिल है। ये सहयोग राज्य के सतत विकास, तकनीक-सक्षम प्रशासन, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। दिन की शुरुआत लुई ड्रेफस कंपनी (Louis Dreyfus Company) के साथ बैठक से हुई, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने उबर टेक्नोलॉजीज़ (Uber Technologies), ऑटोमेशन एनीवेयर (Automation Anywhere), कॉल्ड्रन (Cauldron), पेप्सीको (PepsiCo), एचसीएल सॉफ्टवेयर (HCL Software), वेल्थ डोर (Wealth Door), अनुपम रसायन इंडिया लिमिटेड (Anupam Rasayan India Ltd), गूगल क्लाउड (Google Cloud), ग्रीनको (Greenko) और डेलॉयट साउथ एशिया (Deloitte South Asia) सहित कई प्रमुख वैश्विक और भारतीय कंपनियों के साथ B2G बैठकें कीं। प्रतिनिधिमंडल ने कार्बन कंपास (Carbon Compass) के संस्थापक एवं CEO श्री नीरज अग्रवाल (आईआईटी कानपुर और एमआईटी के पूर्व छात्र तथा पूर्व नासा वैज्ञानिक) से भी संवाद किया और क्लाइमेट इनोवेशन तथा सस्टेनेबिलिटी से जुड़ी भविष्य-केंद्रित संभावनाओं पर चर्चा की। उबर (Uber) के साथ हुई प्रमुख चर्चा में निवेश विस्तार, मोबिलिटी पार्टनरशिप और नोएडा में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) स्थापित करने की संभावनाओं पर फोकस रहा। उत्तर प्रदेश में 13+ स्थानों पर 1.5 लाख वाहनों के संचालन का उल्लेख करते हुए उबर ने पर्यटन, लास्ट-माइल कनेक्टिविटी और नवाचार आधारित मोबिलिटी समाधानों में अवसरों को रेखांकित किया, जिन्हें राज्य की प्रगतिशील नीतिगत रूपरेखा का समर्थन प्राप्त है।

नगर पालिका परिषद हसनपुर द्वारा गरीब असहाय, जरूरतमंद लोगों को बांटे गए कंबल

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : सोमवार को हसनपुर नगर पालिका परिषद में नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजपाल सैनी एवं अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह तथा सभासदों द्वारा नगर के सैकड़ो गरीब असहाय एवं जरूरतमंद लोगों को नगर पालिका के सौजन्य से कंबल वितरित किए गए, भारी संख्या में पहुंचे महिला एवं पुरुष जरूरतमंद लोगों को कंबल प्रदान किए गए, इस मौके पर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाले किसी भी जरूरतमंद को इस ठंड से बचने के लिए नगर पालिका द्वारा यह कंबल वितरित किए गए हैं पालिका की मनसा है कि कोई भी व्यक्ति पालिका क्षेत्र में सर्दी से पीड़ित ना रहे, कमल वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से पालिका अध्यक्ष राज्यपाल सैनी, अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह, नगर स्वच्छता प्रेरक प्रशांत सैनी, व्यापारी नेता मुकेश गुप्ता, सचिन गुप्ता, पंकज भटनागर, सभासद पति शराफत अली, सभासद चमन देवी, पप्पू सिंह, श्याम आर्य,सौरभ सैनी, राहुल प्रजापति आदि सहित दर्जनों गढ़ माननीय लोग मौजूद रहे।

भव्य हिंदू सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए किया घर-घर संपर्क

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ RSS के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में एक भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसके सफल आयोजन के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का अनुरोध किया, बता दें कि आगामी 8 फरवरी 2026 रविवार को नगर के प्रतिष्ठित विद्यालय HSS पब्लिक स्कूल में प्रातः 11:00 बजे से भव्य हिंदू सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें अधिक से अधिक हिंदू समाज के लोगों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोगों ने घर घर जाकर संपर्क किया और कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया कार्यकर्ताओं ने सभी हिंदू भाई बहनों से कार्यक्रम में ऐतिहासिक उपस्थिति दर्ज कराकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की, इस मौके पर नगर प्रचारक सचिन, मनोज अग्रवाल, अक्षी अग्रवाल, पौरुष अग्रवाल, अंकित गुप्ता, गिरधारी लाल सैनी, सचिन, अभिरव, मोहित, विजय शर्मा, विभोर, कपिल रस्तोगी आदि लोग मौजूद रहे।

सिर्फ़ अफ़सर नहीं, जनता के सेवक हैं डॉ. मणि भूषण तिवारी

संभल–सिरसी में ईमानदारी और विकास की नई पहचान

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी डॉ. मणि भूषण तिवारी आज एक ऐसे कुशल, ईमानदार और कर्मठ अधिकारी के रूप में उभरकर सामने आए हैं, जो केवल दफ्तरों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि हर वक्त जनता के बीच रहकर सर्व समाज के हित में काम करते हैं। कड़कती ठंड में भी वे लगातार फील्ड में उतरकर विकास कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं और आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करा रहे हैं। वर्तमान में डॉ. मणि भूषण तिवारी संभल नगर पालिका परिषद के साथ-साथ नगर पंचायत सिरसी के भी अधिशासी अधिकारी के रूप में दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। दो नगर निकायों का कार्यभार एक साथ संभालना आसान नहीं, लेकिन अपनी प्रशासनिक दक्षता, अनुशासन और मजबूत इच्छाशक्ति से उन्होंने इसे पूरी तरह सफल कर दिखाया है। उनके नेतृत्व में संभल नगर पालिका क्षेत्र में सड़क निर्माण, नालियों की मरम्मत, साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट, अतिक्रमण नियंत्रण और अन्य नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के कार्य तेज़ी से हो रहे हैं। वे स्वयं मौके पर पहुंचकर काम की गुणवत्ता की जांच करते हैं और अधिकारियों-कर्मचारियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी कार्य करने के निर्देश देते हैं। नगर पंचायत सिरसी में भी डॉ. मणि भूषण तिवारी के कार्यभार संभालने के बाद विकास कार्यों को नई दिशा मिली है। वर्षों से लंबित समस्याओं का समाधान, स्वच्छता अभियान को मजबूती, जल निकासी की समस्या पर ठोस कार्रवाई और बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। आम जनता की शिकायतों का त्वरित निस्तारण कर उन्होंने लोगों का भरोसा जीत लिया है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने डॉ. मणि भूषण तिवारी की कार्यशैली की जमकर सराहना की है। लोगों का कहना है कि लंबे समय बाद उन्हें ऐसा अधिकारी मिला है जो वास्तव में जमीन पर उतरकर काम करता है और सर्व समाज के हित को प्राथमिकता देता है।

डॉ. तिवारी का स्पष्ट कहना है— "नगर निकायों का मकसद केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें ईमानदारी, गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ ज़मीन पर उतारना है, ताकि हर नागरिक को उसका हक़ मिल सके।" कड़कती ठंड में भी बिना थके, बिना रुके लगातार काम करते हुए डॉ. मणि भूषण तिवारी आज संभल और सिरसी दोनों क्षेत्रों में एक आदर्श अधिकारी और जनता के सच्चे सेवक के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं। उम्मीद की जा रही है कि उनके नेतृत्व में दोनों नगर निकायों में विकास की रफ्तार और तेज़ होगी तथा नागरिक सुविधाओं में और भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

मुजफ्फरपुर सरैया में बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के सरैया थाना क्षेत्र के रामकुरवा गांव में रविवार रात एक बंद घर में लाखों की चोरी हुई है। अज्ञात चोरों ने गणेश सिंह के घर को निशाना बनाया और लाखों रुपए के जेवरात और कीमती सामान लेकर फरार हो गए। गणेश सिंह दिल्ली में व्यवसाय करते हैं और अपने परिवार के साथ वहीं रह रहे थे। घर में उनका छोटा बेटा मौजूद था। चोरों ने वारदात को अंजाम देने के लिए पहले घर के बगल में स्थित सरकारी स्कूल का ताला काटा और फिर पीछे के रास्ते से घर में प्रवेश किया। मकान में चल रहे निर्माण कार्य का फायदा उठाकर चोर आसानी से भीतर दाखिल हो गए। सुबह जब गणेश सिंह के बेटे की नींद खुली, तो उसने कमरों के ताले टूटे और सामान बिखरा हुआ पाया। शोर मचाने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पारु के पूर्व विधायक अशोक सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और सरैया थाना प्रभारी सुभाष मुखिया को फोन पर जानकारी दी। सूचना मिलते ही सरैया पुलिस और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (SDPO) गरिमा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। एसडीपीओ गरिमा ने मीडिया को बताया कि शुरुआती जांच में घर का सामान बिखरा हुआ मिला है। उन्होंने यह भी बताया कि कीमती सामान के साथ ज्वेलरी चोरी होने की बात सामने आ रही है। फिलहाल कितने रुपए के कीमती सामान और ज्वेलरी की चोरी हुई है, इसकी सटीक जानकारी परिजनों के दिल्ली से आने के बाद ही मिल पाएगी।

वैशाली में शौच गए व्यक्ति के डूबने की आशंका

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में शौच के लिए घर से निकले व्यक्ति की फिसलकर गहरे पानी में डूबने की सूचना मिली है। घटना चेहराकलां स्थित कटहरा थाना क्षेत्र के रामपुर डुमरी गांव में हुई है। ग्रामीण श्यामसुंदर राय (लगभग 50 साल) का शव एक पोखर से मिलना अभी भी मुश्किल बना हुआ है। स्थानीय विश्वजीत राय ने बताया कि सुबह श्यामसुंदर राय शौच के लिए घर से निकले थे। जब दोपहर तक वह घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान पास के एक पोखर के किनारे उनका चप्पल मिला। अनुमान लगाया जा रहा है कि वह शौच के लिए गए थे और पोखर में पानी छूने के दौरान फिसलकर गहरे पानी में डूब गए होंगे। घटना की सूचना मिलने के बाद एनडीआरएफ की एक टीम मौके पर बुलाया गया। टीम ने कई घंटों तक अथक प्रयास किया, लेकिन शव बरामद नहीं हो सका। सूचनाओं के मुताबिक, खोजबीन के दौरान पानी के अंदर से एक गमछा प्राप्त हुआ है, जिसके बारे में पुष्टि नहीं हो पाई है कि वह पीड़ित का ही था या नहीं। कटहरा थानाध्यक्ष संजीव कुमार दुबे ने बताया कि एनडीआरएफ की टीम लगातार नदी से शव की तलाश में जुटी हुई है। श्यामसुंदर राय पांच भाइयों में सबसे छोटे थे और निहायत गरीबी में जीवन-यापन कर रहे थे। उनकी झोपड़ीनुमा आवासीय स्थिति और शौचालय के अभाव में उन्हें खुले में शौच (चंवर) के लिए जाने को विवश होना पड़ता था। यह घटना एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता सुविधाओं के अभाव और उससे जुड़े खतरों की ओर इशारा करती है। श्यामसुंदर राय के दो छोटे-छोटे बेटा (लगभग 15-18 साल) हैं। उनकी अचानक मौत से पूरे परिवार का सहारा छिन गया है। परिजन रो-रोकर अपना बुरा हाल कर रहे हैं। गांव में सन्नाटा और गम का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शव बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

वैशाली पुलिस ने कुख्यात अपराधी चंदन यादव को दबोचा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे कुख्यात अपराधी चंदन यादव को गिरफ्तार कर बड़ी कामयाबी हासिल की है। नए पुलिस कप्तान विक्रम सिहाग के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में एसटीएफ और जिला आसूचना इकाई (DIO) की संयुक्त टीम ने अपराधी को दबोचा। चंदन यादव वैशाली जिले के टॉप-10 अपराधियों की सूची में शामिल था और करीब दो वर्षों से पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहा था। पुलिस के अनुसार 18 जनवरी 2026 को लालगंज-वैशाली बॉर्डर स्थित लगड़ी पाकड़ चौक के पास संयुक्त टीम ने विशेष अभियान चलाया। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में लालगंज थाना पुलिस, जिला आसूचना इकाई और एसटीएफ की टीम शामिल थी। अभियान के दौरान कुख्यात अपराधी चंदन कुमार को धर दबोचा गया। गिरफ्तार अपराधी की पहचान चंदन कुमार उर्फ चंदन यादव के रूप में हुई है, जो नवलकिशोर राय का पुत्र और लालगंज थाना क्षेत्र के सररिया गांव का निवासी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार चंदन यादव फरारी के दौरान भी अपने नेटवर्क के जरिए आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहा था, जिस पर पुलिस लगातार नजर बनाए हुए थी। चंदन कुमार का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है। उसके खिलाफ लालगंज और सदर थाना क्षेत्रों में हत्या, लूट, आर्म्स एक्ट, अपहरण, मारपीट और रंगदारी जैसी गंभीर धाराओं में लगभग एक दर्जन मामले दर्ज हैं। कई मामलों में वह वांछित था और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। नए पुलिस कप्तान विक्रम सिहाग के कार्यभार संभालने के बाद जिले में अपराधियों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में टॉप-10 अपराधियों की सूची में शामिल चंदन यादव की गिरफ्तारी को पुलिस बड़ी उपलब्धि मान रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस गिरफ्तारी से जिले में अपराधियों के मनोबल पर गहरा असर पड़ेगा। पुलिस ने गिरफ्तार अपराधी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही उससे जुड़े अन्य आपराधिक नेटवर्क और फरार सहयोगियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। पुलिस का दावा है कि आने वाले दिनों में जिले में अपराध के खिलाफ और भी सख्त कार्रवाई देखने को मिलेगी।

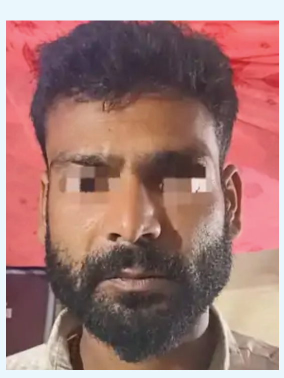

मुजफ्फरपुर में ब्लेड से झोला काटकर 1.40 लाख कैश चोरी

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के नगर थाना क्षेत्र स्थित पंकज मार्केट में सोमवार को दिनदहाड़े एक व्यक्ति के झोले से 1.40 लाख रुपए चोरी हो गए। अपराधी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से पैसे निकालकर फोटोस्टेट कराने रुके व्यक्ति को निशाना बनाकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, कथैया थाना क्षेत्र के रहने वाले उदय कुमार सिंह एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। वे सोमवार को अपने निजी काम के लिए पैसे निकालने के लिए पंकज मार्केट स्थित पीएनबी ब्रांच पहुंचे थे। उन्होंने बैंक से 1.40 लाख रुपए निकाले और उन्हें एक झोले में रखकर बाहर निकले। बैंक से कुछ ही दूरी पर स्थित एक दुकान पर उदय कुमार कुछ जरूरी कागजात की फोटोस्टेट कराने के लिए रुके। जैसे ही वे दुकानदार से बातचीत करने में व्यस्त हुए, उनके पीछे लगे चार शातिर अपराधियों ने मौका पाकर झोले को ब्लेड से नीचे से काट दिया। अपराधियों ने इतनी सफाई से वारदात को अंजाम दिया कि उदय कुमार को इसकी भनक तक नहीं लगी। पलक झपकते ही अपराधी नकदी लेकर भीड़ का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गए।

नीट छात्रा मौत मामला, हर घंटे अपडेट ले रहे एसएसपी

लोकतंत्र की शान, पटना

♦ **24 घंटे से 7 सदस्यीय एसआईटी टीम जांच कर रही, घटना से पहले की हिस्ट्री भी खंगाली गई**

चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र में छात्रा के साथ यौन हिंसा और संदिग्ध मौत मामले ने पुलिस महकमे को हिलाकर रख दिया है। तूल पकड़ने वाले इस हाई-प्रोफाइल केस की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पूरी ताकत झोंक दी है। 7 सदस्यीय एसआईटी टीम हर बिंदु पर न सिर्फ जांच कर रही है, बल्कि ठोस साक्ष्य जुटाने के लिए फूंक-फूंक कर कदम उठा रही है। 24 घंटे बिना रुके चल रही इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से अनुमान है कि बहुत जल्द SIT किसी ठोस नतीजे तक पहुंच जाएगी।

ट्रेवलिंग हिस्ट्री से लेकर लोकेशन तक खंगाला रही है: एसआईटी ने छात्रा की ट्रैवलिंग हिस्ट्री को खंगालना शुरू कर दिया है। अस्पताल से जहानाबाद तक के रूट पर टीम सक्रिय है। टेक्निकल इन्वेस्टिगेशन के तहत सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और डिजिटल पड़ताल तेज हो गई है। हर संभावित सुराग को परखा जा रहा है, ताकि कोई लूपहोल न बचे। एएसपी अभिनव और एसपी पूर्वी परिचय हर घंटे एसआईटी से अपडेट ले रहे हैं। जांच में कोई ढिलाई न बरती जाए, इसके लिए ASP अभिनव खुद लगे हैं।

रविवार को गांव पहुंची: SIT की टीम रविवार के दिन मृतक छात्रा के गांव पहुंची थी। मौत और यौन हिंसा के मामले में वहां के लोकल मुखिया और अन्य लोगों से भी बातचीत की है। कुछ लोगों के बयान भी रिकॉर्ड्स किए गए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, एसआईटी ने कई अहम लोगों से पूछताछ की है और फॉरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। छात्रा के परिजनों और सहपाठियों के बयान दर्ज हो चुके हैं। जहानाबाद में संभावित लीड्स पर टीम छापेमारी कर रही है। टेक्निकल एक्सपर्ट की मदद से कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और सोशल मीडिया एक्टिविटी की जांच चल रही है। SSP ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जांच में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। SSP, पूर्वी SP, ASP सदर अभिनव कुमार को बुलाकर रोज शाम में IG पटना जितेंद्र राणा भी समीक्षा कर रहे हैं।

विधान पार्षद अशोक अग्रवाल ने सड़क का किया उद्घाटन

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः कोढ़ा प्रखंड के दक्षिणी सिमरिया पंचायत के नक्कीपुर वार्ड नंबर दो में एक ऐतिहासिक पल देखने को मिला, जब क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित विधान पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत लगभग 15 लाख रुपये की राशि से निर्मित पी.सी.सी. सड़क का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कोढ़ा विधानसभा क्षेत्र की विधायक कविता पासवान, भाजपा जिला महामंत्री रामनाथ पांडे, भोला झा, मुखिया अनिला देवी सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि और सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विधान पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल के प्रयासों से क्षेत्र में विकास की एक नई गाथा लिखी जा रही है, जिससे स्थानीय निवासियों को आवागमन में सुविधा होगी और क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी सुधरेगी। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने संबोधित करते हुए विधान पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए वे हमेशा तत्पर रहेंगे और स्थानीय निवासियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने विधान पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और उनका आभार व्यक्त किया।

महापौर ने जनता दरबार में सुनी जनसमस्या

लोकतंत्र की शान

कटिहार : नगर निगम में प्रत्येक सोमवार की तरह इस सोमवार को भी महापौर ऊषा देवी अग्रवाल के कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया! महापौर ने नगर निगम स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आये सभी 27 फरियादियों की समस्या सुनी! महापौर के द्वारा सभी फरियादियों की समस्या सुन त्वरित कारवाई करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश दिया गया! जनता दरबार में प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना, सड़क व नाला निर्माण, बिजली पोल एवं लाइट, रास्ते एवं अतिक्रमण से जुड़े विवाद, नालों की साफ-सफाई, सड़क अतिक्रमण करने वाले पे होगी करवाई एवं अन्य मामलों से संबंधित मामले आए। महापौर के द्वारा पिछले जनता दरबार में आये सभी आवेदनों की समीक्षा भी की गई। जनता दरबार मे उपमहापौर मंजूर खान वार्ड पार्षद कुमारेंद्र प्रताप सिंह,सलीम अंसारी एवं दिनेश कुमार पाण्डेय उपस्थित थे।

'खलनायक है तू'...गाने पर बाहुबली का सिगरेट पीते अनंत सिंह को आईजीआईएमएस लाई थी पुलिस

लोकतंत्र की शान, पटना

❑ **आरजेडी बोली-सीएम के दुलारे खलनायक अस्पताल में रीलबाजी कर रहे**

मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह राजद नेता दुलारचंद यादव की हत्या के आरोप में बेउर जेल में बंद हैं। 2 दिन पहले उन्हें रेगुलर चेकअप के लिए IGIMS लाया गया था। यहां पर अनंत सिंह का सिगरेट पीते हुए एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो के साथ खलनायक फिल्म का गाना लगाकर रील बनाई गई है। इस पर राजद ने नीतीश सरकार को घेरा है। पार्टी प्रवक्ता प्रियंका भारती ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा- "नायक नहीं खलनायक है तू..." सुशासन को धुएं में उड़ाता हुआ अनंत सिंह! नीतीश जी के दुलारे खलनायक अस्पताल में सिगरेट पीते हुए रीलबाजी कर रहे हैं!'

पहले जानिए वीडियो में क्या है: 18 सेकेंड की रील में अनंत सिंह अपने समर्थकों के साथ हॉस्पिटल में सिगरेट पीते-पीते चल रहे हैं। उनके पीछे डिपार्टमेंट ऑफ यूरोलॉजी का बोर्ड दिख रहा है। बाहुबली सिगरेट की कश लेते हुए लिफ्ट की ओर बढ़ते हैं। रील के बैकग्राउंड में गाना बज रहा है, नायक नहीं, खलनायक है तू....। ये रील @SHUBHAM2389SINGH की आईडी से बनाई गई है।

वीडियो पर राजद ने सरकार को घेराः अनंत सिंह के इस वीडियो को लेकर राजद ने नीतीश सरकार को घेरा है। राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने कानून व्यवस्था का पालन न करने पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, 'NDA के लोग कानून का उल्लंघन करने में तत्पर रहते हैं। कानून को तोड़ने वाले और कानून का अनुपालन नहीं करने वाले जदयू विधायक सार्वजनिक जगह पर धूम्रपान कर रहे हैं। जदयू नेता नीरज कानून की सबसे ज्यादा बात करते हैं, लेकिन आप के क्षेत्र के विधायक के संबंध में इस तरह की बातें सार्वजनिक रूप से सामने आई हैं। इस पर आप चुप्पी साधे हुए हैं, आपको जवाब देना चाहिए।'

अब जानिए वो पूरा मामला जिसे लेकर अनंत सिंह जेल में बंद हैं: बेल के लिए हाईकोर्ट की शरण में बाहुबली अनंत सिंह दुलारचंद हत्याकांड में जेल में बंद जदयू विधायक अनंत सिंह अब हाईकोर्ट की शरण ली है। सिविल कोर्ट से बेल रिजेक्ट होने के बाद बाहुबली ने 24 दिसंबर को हाईकोर्ट में अर्जी दी थी। इस मामले में इस हफ्ते ही सुनवाई हो सकती है। पटना हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अशोक कुमार पांडेय के कोर्ट में मामला लिस्टेड है। हालांकि,सुनवाई की तारीख अभी तय नहीं हुई है। अनंत सिंह के वकील कुमार हर्षवर्धन के मुताबिक इस मामले पर इसी हफ्ते सुनवाई हो सकती है। अनंत सिंह के करीबियों का कहना है कि जमानत को कोशिश सिक्रेट तरीके से की जा रही है। बेल की प्रक्रिया के बारे में भी सिर्फ उनके परिवार के सदस्यों और वकीलों को ही जानकारी है।

कटिहार को मिली एक और बड़ी रेल सौगात अमृत भारत एक्सप्रेस का हुआ शुभारंभ

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहार : कामाख्या से रोहतक तक चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस को कटिहार स्टेशन पर आयोजित समारोह में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस मौके पर कटिहार सांसद तारिक अनवर, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव, पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद और एडीआरएम मनोज सिंह मौजूद रहे। यह ट्रेन कामाख्या से खुलकर कटिहार होते हुए भाया दिल्ली रोहतक तक जाएगी, जिससे सीमांचल के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। अमृत भारत एक्सप्रेस खासतौर पर आम यात्रियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जिसमें स्लीपर और जनरल कोच लगाए गए हैं ताकि कम किराए में सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा संभव हो सके। अमृत भारत एक्सप्रेस को आधुनिक तकनीक से लैस किया गया है। पूरे ट्रेन में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं जिससे सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो सके। कोचों में बायोटॉलेट की सुविधा दी गई है जो पर्यावरण के अनुकूल है। इसके अलावा हाईटेक एलईडी लाइटिंग, बेहतर वेंटिलेशन, आरामदायक सीटें, फायर सेफ्टी सिस्टम और आधुनिक साइनस सिस्टम जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। एडीआरएम मनोज सिंह ने बताया कि अमृत भारत एक्सप्रेस मध्यम वर्ग और दैनिक यात्रियों के लिए एक भरोसेमंद विकल्प बनेगी। कटिहार सांसद तारिक अनवर और पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री को धन्यवाद दिया।

युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तीसरे दिन युवाओं को मिला गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य का संदेश

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः मेरा युवा भारत, कटिहार के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय आवासीय अंतर जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तीसरे दिन युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य के महत्व के बारे में विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में जिला निबंधन सह परामर्श सेंटर, कटिहार के प्रबंधक अमरजीत कुमार और उप प्रबंधक राकेश कुमार ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पुस्तकों के माध्यम से प्राप्त ज्ञान न केवल शैक्षणिक विकास करता है, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वहीं रक्त अधिकोष (ब्लड बैंक) के काउंसलर वैद्यनाथ कुमार और डीपीएम (DACPU) शौनिक प्रकाश ने स्वास्थ्य विषय पर युवाओं को जागरूक करते हुए कहा कि स्वास्थ्य ही वास्तविक धन है और स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के बिना किसी भी प्रकार की प्रगति संभव नहीं है। कार्यक्रम में योग और ध्यान सत्र का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान मानसिक शांति एकाग्रता और आत्मनियंत्रण के महत्व को समझाया गया। लैंगिक समानता और लैंगिक न्याय पर आयोजित विचार-विमर्श और वाद-विवाद सत्र में युवाओं ने समाज में समान अवसर, सम्मान और अधिकार की आवश्यकता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में युवाओं ने प्राप्त ज्ञान और अनुभवों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया। आयोजन समिति ने सफल संचालन के लिए सभी अतिथियों संसाधन व्यक्तियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि मनाई गई, मधुरापुर में श्रद्धांजलि सभा

♦ **भाजपा प्रवक्ता ने किया संबोधित**

लोकतंत्र की शान, हाजीपुर

वैशाली के मधुरापुर गांव स्थित ऐतिहासिक अलकापुरी भिंडा प्रांगण में सोमवार को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि के अवसर पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता टिंकज कुमार सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने इस कार्यक्रम में भाग लेकर महाराणा प्रताप के बलिदान और वीरता को याद किया।

मेवाड़ का सूर्य अस्त हुआ, लेकिन उसका प्रकाश हमारे दिलों में जिंदाः कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह ने महाराणा प्रताप के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए भाजपा जिला प्रवक्ता टिंकज कुमार सिंह ने कहा, "19 जनवरी 1597 का वह दिन था जब मेवाड़ का सूर्य अस्त हुआ, लेकिन उसका प्रकाश आज भी हमारे दिलों में जल रहा है। महाराणा प्रताप ने हमें सिखाया कि घास की रोटियां खाना स्वीकार है, लेकिन गुलामी कभी नहीं। उनका जीवन हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

बिहार से भाजपा को मिला पहला राष्ट्रीय अध्यक्ष

लोकतंत्र की शान, पटना

♦ **बांकीपुर के विधायक नितिन नवीन आज करेंगे नामांकन, सबसे युवा अध्यक्ष बनने का भी रिकॉर्ड**

पटना के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से पांच बार के विधायक नितिन नवीन आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगे। पार्टी की ओर से एकमात्र नामांकन दाखिल किया जाएगा, जिससे उनका अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है। नितिन नवीन के नामांकन के साथ ही वे बिहार से भाजपा के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे। इसके साथ ही वे पार्टी के इतिहास में सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने का रिकॉर्ड भी अपने नाम करेंगे। पार्टी की स्थापना के बाद यह 11वां अध्यक्ष होगा। नामांकन की प्रक्रिया भाजपा के दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय (हेड क्वार्टर) में पूरी की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, नामांकन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वर्तमान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की मौजूदगी को लेकर भी चर्चा है।

नामांकन के 3 घंटे के भीतर बनेंगे राष्ट्रीय अध्यक्षः नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद केवल तीन घंटे के भीतर पूरी चुनावी औपचारिकता समाप्त हो जाएगी और उसी दिन उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष से पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया जा सकता है। हालांकि, औपचारिक घोषणा 20 जनवरी को की जाएगी।

नामांकन और चुनाव की पूरी प्रक्रियाः भाजपा द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, 19 जनवरी को दोपहर 2 से 4 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। इसके बाद 4 से 5 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच होगी और शाम 5 से 6 बजे के बीच नाम वापस लेने का समय निर्धारित रहता है, तो चुनाव अधिकारी निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा करेंगे। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव राष्ट्रीय परिषद द्वारा किया जाता है, जिसमें पार्टी के करीब 5,708 सदस्य शामिल हैं। इनमें भाजपा की राष्ट्रीय परिषद और राज्य परिषदों के सदस्य शामिल होते हैं, जो देश के 30 से अधिक राज्यों से आते हैं। हालांकि, एकल नामांकन की स्थिति में मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। भाजपा के अब तक के राष्ट्रीय अध्यक्षों में अटल बिहारी वाजपेयी, मुरली मनोहर जोशी, कुशाभाऊ ठाकरे, बंगारू लक्ष्मण, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अमित शाह और वर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल हैं।

खास ख़बर

पलवलः घर के बाहर से युवती का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म

लोकतंत्र की शान : पलवल। जिले के हथीन थाना क्षेत्र में युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि युवती का उसके घर के बाहर से अपहरण कर आरोपियों ने एक फार्महाउस में ले जाकर नशीला पदार्थ खिलाया और जान से मारने की धमकी देकर पांच लोगों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हथीन थाना प्रभारी हरी किशन ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 जनवरी की रात वह घर के गेट के बाहर कूड़ा डालने के लिए निकली थी। इसी दौरान एक गाड़ी वहां आकर रुकी, जिसमें अरबाज अपने साथी सहबाज और बिल्ला के साथ मौजूद था। पीड़िता के अनुसार आरोपियों ने उसे जबरन गाड़ी में खींच लिया और मुंह पर नशीला कपड़ा रखकर बेहोश कर दिया। जब उसे होश आया तो वह एक कमरे में बंद थी। आरोपियों ने उस स्थान को फार्महाउस बताया। कुछ समय बाद वहां दो अन्य अज्ञात युवक भी पहुंच गए। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पांचों आरोपियों ने उसे नशीला पदार्थ खिलाया और जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि 15 जनवरी की सुबह करीब छह बजे आरोपी उसे गांव के पास सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। सभी आरोपित फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं।

पलवलः इको कार ने बाइक को मारी टक्कर, पिता की मौत, बेटा गंभीर

लोकतंत्र की शान : पलवल। हसनपुर-होडल मार्ग पर खिरबी गांव के पास सोमवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका 10 वर्षीय बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बच्चे को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर इको कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। होडल थाना प्रभारी राजेश कुमार ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) के जेवर निवासी विनोद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई जोगेंद्र अपने बेटे गौरव के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहा था। वहीं विनोद स्वयं दूसरी बाइक से उनके पीछे चल रहा था। दोनों भाई अपने दूसरे भाई अमर सिंह से मिलने मालव गांव स्थित बाग ठेके पर जा रहे थे। जब जोगेंद्र खिरबी गांव से आगे हसनपुर-होडल मार्ग पर पहुंचे, तभी हसनपुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक इको कार ने उनकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार जोगेंद्र को कुचलते हुए आगे निकल गई। हादसे में पिता-पुत्र दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों की मदद से घायलों को तुरंत जिला नागरिक अस्पताल पलवल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जोगेंद्र को मृत घोषित कर दिया। जबकि बेटे गौरव की हालत नाजुक देखते हुए उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने इको कार चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। हादसे के बाद चालक वाहन सहित फरार बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर के पीछे दौड़ा सिपाही, फिर भी बेखौफ ड्राइवर फरार

लोकतंत्र की शान : भीलवाड़ा। भीलवाड़ा शहर में रविवार देर शाम अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई उस समय सुर्खियों में आ गई, जब डीएसटी टीम के एक पुलिसकर्मी ने जान की परवाह किए बिना फिल्मी अंदाज में दौड़ते ट्रैक्टर-ट्रॉली पर चढ़कर बजरी माफिया को रोकने की कोशिश की। तेज रफ्तार, टकराव, छलांग और फरारी। यह पूरा घटनाक्रम किसी एक्शन फिल्म के दृश्य जैसा नजर आया। जिसका एक राहगीर ने वीडियो बना लिया जो कि अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। घटना भीमगंज थाना क्षेत्र के तिलक नगर की है। रविवार शाम एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में अवैध रूप से बजरी भरकर ले जाई जा रही थी। उसी दौरान बाइक पर गश्त कर रहे डीएसटी के हेड कॉन्स्टेबल और कॉन्स्टेबल की नजर बजरी से लदे ट्रैक्टर पर पड़ी। पुलिस ने तुरंत ट्रैक्टर को रुकने का इशारा किया, लेकिन बजरी माफिया का ड्राइवर रुकने के बजाय और तेज गति से ट्रैक्टर भगाने लगा। पुलिस ने पीछा किया। कुछ ही दूरी पर हालात उस समय रोमांचक हो गए, जब एक पुलिसकर्मी ने साहस दिखाते हुए चलते ट्रैक्टर पर छलांग लगा दी। यह देखकर आसपास मौजूद लोग भी सन्न रह गए। पुलिसकर्मी ट्रैक्टर-ट्रॉली पर चढ़ चुका था, लेकिन ड्राइवर ने हिम्मत हारने के बजाय और खतरनाक कदम उठा लिया। उसने तेज स्पीड में डिवाइडर को टक्कर मार दी और फिर ट्रैक्टर को गलत दिशा में दौड़ाते हुए एक खाली प्लॉट और नाले की ओर मोड़ दिया। तेज रफ्तार और अफरा-तफरी के बीच ड्राइवर ने अचानक चलते ट्रैक्टर से छलांग लगाई और अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिसकर्मी ने भी उसे पकड़ने के लिए कूदकर पीछा किया, लेकिन ड्राइवर हाथ नहीं आया। कुछ ही देर में भीमगंज थाना पुलिस पहुंची और हालात को संभाला। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया, जबकि बजरी माफिया का ड्राइवर फरार होने में सफल रहा। घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल बन गया। भीमगंज थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है और इस ट्रैक्टर को पकड़ने का प्रयास किया गया था, लेकिन ड्राइवर मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि ड्राइवर की पहचान की जा सके। इसके साथ ही ट्रैक्टर के चेसिस नंबर के आधार पर वाहन मालिक का पता लगाया जा रहा है। पुलिस का दावा है कि बजरी माफिया और इससे जुड़े लोगों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जनसुनवाई कार्यक्रम में दर्ज हुईं 81 समस्याएं, 36 का निस्तारण

लोकतंत्र की शान : हरिद्वार। जनपदवासियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित 81 शिकायतें, समस्याएं दर्ज कराई गई, जिसमें से 36 समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया। शेष समस्याओं को निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम में राजस्व, भूमि, विवाद, विद्युत, राशन अतिक्रमण, पेयजल आदि से संबंधित समस्या दर्ज कराई गई। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसुनवाई में जनता द्वारा जो भी समस्याएं दर्ज कराई जा रही हैं उन समस्याओं को त्वरित एवं समयबद्धता के साथ निराकरण करें। इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही एवं शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए। उन्होंने हिदायत दी कि कोई भी शिकायतकर्ता अपनी शिकायत को दुबारा जन सुनवाई में लेकर न पहुंचे। यदि कोई व्यक्ति अपनी शिकायत को लेकर दुबारा जन सुनवाई में आया और पाया गया कि संबंधित अधिकारी द्वारा शिकायत का निस्तारण नहीं किया गया तो ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्प लाइन में जो भी शिकायतें दर्ज की जा रही हैं, उनको सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ निस्तारण करें। उन्होंने निर्देश दिए है कि 36 दिन से अधिक जो भी शिकायतें लंबित है उनका निराकरण तत्परता से करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा, अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी, मुख्य चिकित्साधिकारी आरके सिंह, अधिशासी अभियंता सिंचाई ओमजी गुप्ता, सहायक परियोजना निदेशक नलिनीत घिल्डियाल, मुख्य शिक्षा अधिकारी आशुतोष भंडारी, प्रोजेक्ट मैनेजर पेयजल निगम (गंगा) मीनाक्षी मित्तल, जिला पंचायतराज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह सहित जिला स्तरीय सम्बन्धित अधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादी मौजूद रहे।

रॉयल जैन प्रीमियर लीग सीजन-2 का भव्य समापन, नयन पारस पैंथर्स बनी विजेता

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ
जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप रॉयल द्वारा आयोजित रॉयल जैन प्रीमियर लीग (RJPL) सीजन-2 बॉक्स क्रिकेट नाइट टूर्नामेंट का भव्य समापन रविवार को उत्साह, रोमांच और उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। इस टूर्नामेंट ने खेल के साथ-साथ सामाजिक एकता और युवा ऊर्जा का शानदार संदेश दिया। समापन समारोह के गौरव अतिथि कटनी–मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल रहे, जबकि मुख्य अतिथि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की राष्ट्रीय महासचिव इंजी. विनय जैन एवं अनीता जैन थीं। विशिष्ट अतिथियों में प्रवीण–वंदना सिंघई, प्रशांत–प्रियांशी जैन, सीए मनोज–साधना जैन, इंजी. प्रदीप–ममता जैन, हेमंत–सपना जैन, श्री सुनील–चित्रा घीया, संस्थापक अध्यक्ष अंकित जैन, कार्यकारी अध्यक्ष आकेत जैन, कटनी महापौर श्रीमती प्रीति सूरी, निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, अशोक विश्वकर्मा, सुश्री सौम्या राँधेलिया, अनुज जैन, अरिहंत जैन (बिट्टू), शुभम जैन, डॉ. रोमिल सिंघई (जबलपुर), श्री धन्यकुमार जैन, मगन जैन, सुधीर जैन, आशीष गुप्ता (बाबा), रजत जैन सहित दिगंबर जैन सोशल ग्रुप रॉयल एवं कटनी जैन समाज के अनेक वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

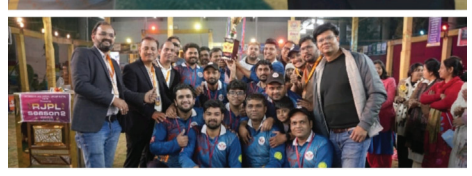

टूर्नामेंट के अंतिम दिन खेला गया फाइनल मुकाबला समता सरोवर और नयन पारस पैंथर्स के बीच बेहद रोमांचक रहा। अंतिम ओवर तक चले इस संघर्षपूर्ण मैच में नयन पारस पैंथर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए समता सरोवर को हराकर RJPL सीजन-2 की ट्रॉफी अपने नाम की। निर्णायक क्षणों में टीम के कप्तान नयन जैन एवं टीम ऑनर ने विजय सिक्स लगाकर टीम को यादगार जीत दिलाई, जिससे मैदान तालियों और उत्साह से गूंज उठा। इससे पूर्व सेमीफाइनल मुकाबले में नयन पारस पैंथर्स की ओर से आदित्य जैन ने शानदार अर्धशतकीय पारी (50 रन) खेलते हुए टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। फाइनल मैच के दौरान पूरा मैदान दर्शकों से खचाखच भरा रहा और देर रात तक दर्शकों ने रोमांचक क्रिकेट का भरपूर आनंद लिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार वैभव जैन को तथा मैन ऑफ द टूर्नामेंट का सम्मान आदित्य जैन को प्रदान किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन अमित सिंघई ने किया। समापन अवसर पर सभी खिलाड़ियों एवं टीम ऑनर्स ने सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया। रॉयल जैन प्रीमियर लीग सीजन-2 ने न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच दिया, बल्कि समाज में खेल भावना, आपसी सौहार्द और युवा उत्साह को भी नई दिशा प्रदान की।

फरीदबाद : कचरे से खाद बनाकर दोबारा करेंगे उपयोग:धीरेंद्र खड़गटा

लोकतंत्र की शान

फरीदाबाद। नगर निगम फरीदाबाद द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को सुदृढ़ करने एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोमवार को इंद्रप्रस्थ कॉलोनी पॉकेट ए और सी और इको क्लब एनजीओ के सहयोग से एरोबिन्स की स्थापना एवं लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह पहल शहर को स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मानव रचना शैक्षणिक संस्थान के प्रबंध निदेशक डॉ. एन. सी. वाधवा, सर्वोदय हॉस्पिटल्स प्रबंध निदेशक डॉ. अंशु गुप्ता, आईईसी एक्सपर्ट एवं जिला समन्वयक कल्पना मंडल, बबीता सिंह सहित आईपीसीए एवं मदरसन ऑर्गेनाइजेशन के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इस मौके पर निगम आयुक्त ने कहा कि एरोबिन्स के माध्यम से गीले कचरे का वैज्ञानिक एवं पर्यावरण-अनुकूल निस्तारण संभव होगा, जिससे कचरे को खाद में परिवर्तित कर पुनः उपयोग किया जा सकेगा। इससे न केवल कचरा प्रबंधन बेहतर होगा बल्कि नागरिकों

में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 - 26 में फरीदाबाद का बेहतर कार्य सभी के सामने देखने में आयेगा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों ने इस हरित पहल की सराहना करते हुए नगर निगम फरीदाबाद के प्रयासों की प्रशंसा की और आमजन से स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया।

फतेहाबाद के रतिया में युवक को कस्सी से काटकर मौत के घाट उतारा

लोकतंत्र की शान

फतेहाबाद। जिले के रतिया क्षेत्र के गांव महमदकी में एक युवक की बेरहमी से हत्या करने का मामला सामने आया है। यहां एक युवक के गले पर कस्सी से वार कर उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंचीं व मौके से लहूलुहान पड़े मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मौके से खून से सनी कस्सी को भी बरामद कर मृतक के पिता के बयान पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार गांव महमदगी निवासी 28 वर्षीय जगविंदर सिंह रविवार को काम के लिए खेत में गया था। उसके बाद वह देर शाम तक वापस घर नहीं लौटा। इस पर परिजनों ने खेत में काम करने वाले सीरी से जगविंदर के बारे में पूछा। इसके बाद सीरी जगविंदर की

तलाश में खेत में बने कमरे में पहुंचा तो कमरे में जगविंदर का शव पड़ा था और चारों तरफ खून बिखरा हुआ था। उसने मौके पर एक कस्सी देखी जोकि खून से सनी हुई थी। इस पर उसने इस बारे में युवक के परिजनों व पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक युवक के पिता अवतार सिंह ने पुलिस को दिए बयान में कहा है कि उसके लड़के जगविंदर सिंह का कुछ दिन पहले ही रिश्ता तय हुआ था। रविवार को परिवार के लोग भोग पर गए हुए थे। खेत में सिंचाई की बारी थी, इसलिए जगविंदर खेत चला गया। शाम को करीब 5 बजे चचेरे भाई ने उन्हें घटना की सूचना दी। अवतार सिंह ने आरोप लगाया कि जगविंद्र के किसी जान-पहचान वाले व्यक्ति ने ही वारदात को अंजाम दिया है। मारने के बाद आरोपी ने कमरे पर लगे शटर को भी आधा नीचे किया हुआ था। इस मामले में थाना सदर रतिया के प्रभारी प्रहलाद राय का कहना है कि महमदकी में युवक के मर्डर की सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों को काबू कर लिया जाएगा।

फतेहाबाद : दुकान में घुसकर महिलाओं ने किया चोरी का प्रयास, तीन काबू

लोकतंत्र की शान

फतेहाबाद। जिले के शहर टोहाना में गांधी गेट स्थित एक दुकान से कपड़े चुराने का प्रयास करने का समाचार है। 4-5 महिलाएं बच्चों के साथ सामान खरीदने के बहाने दुकान में घुसी और कपड़े चोरी करने की कोशिश की। दुकानदार ने मौके से तीन महिलाओं को पकड़ लिया। इस बारे में सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और इन तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सोमवार को थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि इस बारे में वार्ड नंबर 09 निवासी कपिल ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। अपनी शिकायत में दुकानदार ने कहा है कि उसकी रहमत फैशन के नाम से दुकान है। रविवार को 4-5 महिलाएं और 2-3 बच्चे ग्राहक बनकर उसकी दुकान में आए और चोरी करने का प्रयास किया। आरोपियों ने दुकान से 3-4 पैंट, एक ट्रैक सूट और अन्य कपड़े चोरी

करने की कोशिश की, जिसे उसने मौके पर पकड़ लिया। यह पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड है। इस बारे में सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और इन लोगों को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान संगरूर निवासी बिरपाल, रजनी कौर तथा छिंदर के रूप में हुई है। तीनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

संघर्ष से संकल्प तकः सीमित संसाधनों से राष्ट्रीय पहचान तक पहुँचे पत्रकार मसूद जावेद क़ादरी

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। खंडवा पत्रकारिता को अक्सर एक पेशे के रूप में देखा जाता है, लेकिन मध्यप्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार मसूद जावेद क़ादरी के लिए यह जीवन का संकल्प बन गई। सीमित संसाधनों, कठिन परिस्थितियों और बिना किसी सिफ़ारिश के शुरू हुआ उनका सफर आज राष्ट्रीय पहचान में बदल चुका है। मसूद जावेद क़ादरी का जन्म एक साधारण शिक्षक परिवार में हुआ। उनके पिता शिक्षक थे और पाँच भाइयों व तीन बहनों के बड़े परिवार की जिम्मेदारी मात्र 25 रुपये की मासिक तनख़्वाह में निभानी पड़ती थी। आर्थिक अभाव ने उन्हें बचपन में ही ज़िम्मेदारियों का अर्थ सिखा दिया। उन्होंने 1979 में हाई स्कूल तक नियमित पढ़ाई पूरी की। इसके बाद पारिवारिक परिस्थितियों के कारण

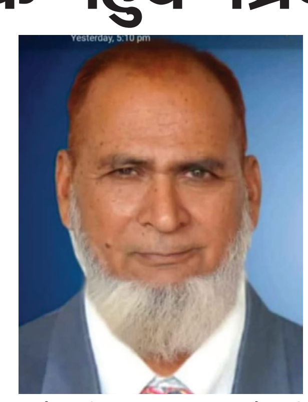

कॉलेज की पढ़ाई नियमित रूप से जारी नहीं रख सके, लेकिन शिक्षा से नाता नहीं तोड़ा। उन्होंने फर्स्ट, सेकंड और फाइनल प्राइवेट परीक्षाओं के माध्यम से अपनी पढ़ाई पूरी की। पत्रकारिता से उनका पहला संपर्क 1977 में हुआ, जब उन्होंने नई दुनिया, इंदौर अख़बार का वितरण शुरू किया। एक अख़बार पर केवल दो पैसे कमीशन के बावजूद यहीं से शब्दों और सूचना की ताक़त को उन्होंने समझा। बिना किसी औपचारिक पत्रकारिता कोर्स या गॉडफादर के उन्होंने प्रभात किरण, विवेक वाणी और नवीन दुनिया जैसे अख़बारों में काम किया। 1983 में उन्होंने साप्ताहिक अख़बार "निमाड़ शक्ति" का प्रकाशन शुरू किया, जिसे उन्होंने लगभग आठ वर्षों तक अपने दम पर चलाया। आर्थिक दबावों के चलते 1990 में अख़बार बंद करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने जिला सहकारी बैंक में सेवा दी और 27 वर्षों के बाद 2021 में सेवानिवृत्त हुए। 2022 में उन्होंने अपनी पत्नी के साथ हज यात्रा की, जिसे वे जीवन का एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक मोड़ मानते हैं। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने फिर पत्रकारिता की ओर रुख किया।2022 में दोबारा सक्रिय हुए। 2023 में एक राष्ट्रीय पत्रकार संगठन ने उन्हें मध्यप्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। 2024 में इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने उन्हें राष्ट्रीय सचिव बनाया। अक्टूबर 2024 में उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ANT News – All News Times की शुरुआत की। शुरुआती दौर में सात कॉपीराइट स्ट्राइक जैसी चुनौतियाँ आईं, लेकिन समीक्षा प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी स्ट्राइक हटाई गईं। आज ANT News को YouTube ने कई अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में ऑटो-डबिंग के लिए चयनित किया है। वर्तमान में ANT News के भोपाल, जबलपुर, रतलाम, कटनी, बुरहानपुर, शाहपुर, धुलकोट, शहडोल, रायसेन और खरगोन में ब्यूरो सक्रिय हैं। सामाजिक सरोकारों को संगठित रूप देने के लिए 2025 में उन्होंने ह्यूमन ग्लोबल फाउंडेशन नामक राष्ट्रीय स्तर के ट्रस्ट की स्थापना की। मसूद जावेद क़ादरी की जीवन यात्रा इस बात का प्रमाण है कि ईमानदारी और संकल्प के साथ किया गया संघर्ष अंततः अपनी पहचान बना ही लेता है।

रोडवेज बस के ब्रेक फेल, चालक की सूझबूझ से बची जानें

लोकतंत्र की शान

चंपावत। बुधवार को लोहाघाट में एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। लोहाघाट डिपो की एक रोडवेज बस के ब्रेक अचानक फेल हो गए, लेकिन चालक की सूझबूझ से दर्जनों यात्रियों की जान बच गई। यह घटना तब हुई जब बस लोहाघाट से काशीपुर के लिए रवाना हुई थी। बस अड्डे से लगभग 10 मीटर आगे बढ़ते ही बस के ब्रेक अचानक काम करना बंद कर गए। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए चालक नंदन सिंह फर्त्याल ने बस को सामने एक दीवार से टकरा दिया। गनीमत रही कि उस समय राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोई अन्य वाहन या पैदल यात्री मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। चालक नंदन सिंह फर्त्याल ने बताया कि बस की जांच वर्कशॉप में पहले ही कराई गई थी। बस स्टार्ट होते ही अचानक प्रेशर लीक हो गया, जिससे ब्रेक पूरी

तरह फेल हो गए। बस में सभी सीटें भरी हुई थीं और इस घटना से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के बाद बस राष्ट्रीय राजमार्ग पर तिरछी खड़ी हो गई, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने रोडवेज बस अड्डे के भीतर से वाहनों को निकालकर यातायात सुचारु कराया। सभी यात्रियों को बाद में दूसरी बस से उनके गंतव्य की ओर भेजा गया। इस घटना के बाद क्षेत्रवासियों में गहरा आक्रोश है। लोगों का कहना है कि लोहाघाट डिपो को तत्काल 15 से 20 नई बसों की आवश्यकता है, लेकिन अब तक केवल दो नई बसें ही उपलब्ध कराई गई हैं।

सुशीला तिवारी अस्पताल में उन्नत अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू, सरकारी दरों पर मिलेंगी आधुनिक जांच सुविधाएं

लोकतंत्र की शान

हल्द्वानी। सुशीला तिवारी चिकित्सालय में मरीजों की सुविधा को विस्तार देते हुए आईएस हेल्थ केयर सर्विस द्वारा पीपी मोड पर अत्याधुनिक जांच सेवाओं की शुरुआत की गई है। खास बात यह है कि अल्ट्रासाउंड, ईसीजी, ईईजी, एक्स-रे सहित सभी जांचें सुशीला तिवारी अस्पताल की निर्धारित सरकारी दरों पर ही उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे आम मरीजों को निजी खर्च के बोझ से राहत मिलेगी। आईएस हेल्थ केयर सर्विस के मैनेजर दलबीर जगलाम ने बताया कि आज अस्पताल परिसर में अल्ट्रासाउंड कक्ष का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस यूनिट में कलर डॉप्लर लेवल-2 तक की अत्याधुनिक जांच की सुविधा

उपलब्ध होगी, जिससे गर्भावस्था, हृदय, रक्त प्रवाह और अन्य गंभीर बीमारियों की सटीक पहचान संभव हो सकेगी। उन्होंने बताया कि यह सभी जांच सेवाएं प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित की जाएगी नई सुविधा के शुरू होने से सुशीला तिवारी अस्पताल में इलाज कराने वाले हजारों मरीजों को समय पर, सटीक और किफायती जांच का लाभ मिलेगा, वहीं सरकारी अस्पताल में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता भी और मजबूत होगी।

पुलिस जांचकर्ता है जज नहीं, मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना बैंक खाता नहीं कर सकती फ्रीज- हाईकोर्ट

लोकतंत्र की शान

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने साइबर अपराधों के दौरान पुलिस की ओर से बैंक के संबंधित खातों को पूरी तरह फ्रीज करने को गलत माना है। अदालत ने कहा कि केवल संदेह के आधार पर किसी व्यक्ति का पूरा बैंक खाता फ्रीज करना विधि सम्मत नहीं है। ऐसे मामलों में खाता फ्रीज करने के लिए मजिस्ट्रेट के आदेश की जरूरत होती है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश विक्रम सिंह व अन्य की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि बीएनएसएस की धारा 106 पुलिस को संपत्ति की सीमित जब्ती का अधिकार देती है। वहीं धारा 107 के तहत किसी भी तरह की फ्रीजिंग केवल मजिस्ट्रेट के आधार पर हो सकती है। पुलिस को यह समझना होगा कि भुगतान की प्रणाली आरबीआई और भुगतान निपटान प्रणाली अधिनियम से नियंत्रित होती है, न कि पुलिस के विवेकाधिकार पर। अदालत ने सुझाव दिया कि केवल विवादित राशि पर लियन लगाया जाए, ताकि आरोपी की आजीविका प्रभावित न हो। अदालत ने कहा कि बीते साल साइबर अपराध से जुडी सौ जमानत याचिकाएं हाईकोर्ट में आई। इनमें से करीब अस्सी फीसदी मामलों में पुलिस ने अपने स्तर पर ही मामला दर्ज किया और 90 फीसदी मामलों में आरोपी पहली बार अपराध में नामजद हुआ। अदालत के सामने आए इन दोनों मामलों में सामने आया कि कोई भी वास्तविक पीडित सामने नहीं आया और न ही कोई ऐसा व्यक्ति चिन्हित किया गया, जिससे ठगी की गई हो। इसके बावजूद पुलिस ने न केवल गिरफ्तारी की, बल्कि बैंक खातों को फ्रीज करने की कार्रवाई भी की।

यह दिए निर्देश

साइबर अपराध की सूचना मिलने पर कम से कम एएसआई स्तर का अधिकारी मामले की जांच करेगा।

डीजीपी सुनिश्चित करें जांच करने वाले पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाए।

मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद बैंक आदि से सूचना लेने से पूर्व एसपी को उसकी प्रति भेजी जाएगी और उस पर स्वीकृति लेनी होगी।

लेनदेन की सूचना लाभार्थी के बैंक या भुगतान सेवा प्रणाली के नोडल अधिकारी को दी जाएगी।

पुलिस अधिकारी के अनुरोध पर बैंक खाते को फ्रीज नहीं किया जाएगा।

बैंक और सेवा प्रदाता नोडल अधिकारी नियुक्ति करेंगे, ताकि पुलिस आपातकाल में उनसे संपर्क कर सके। यह सेवा 24 घंटे के लिए होगी।

पुलिस बैंक खाते की राशि को फ्रीज करने का अनुरोध नहीं करेगी, यदि कोई बैंक पुलिस के अनुरोध पर ऐसा करता है तो बैंक व्यक्ति को हुई हानि और प्रतिष्ठा के नुकसान सहित दीवानी और फौजदारी परिणाम के लिए जिम्मेदार होगा।

एसपी को सूचित करने के बाद पुलिस संबंधित राशि को लियन के लिए कह सकती है, लेकिन संपूर्ण खाते को ब्लॉक नहीं किया जा सकता।

डेबिट या क्रेडिट कार्ड से ऑनलाइन खरीदारी में राशि का उपयोग हो चुका है और वह सामान में बदल चुकी है। कार्ड का दुरुपयोग बैंक और ग्राहक के बीच का मामला है।

खाता ब्लॉक करने या भुगतान रोकने का आग्रह मिलते ही 24 घंटे में मजिस्ट्रेट को सूचित किया जाएगा। ऐसा नहीं करने पर पुलिस पर कार्रवाई हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

चिली के जंगल में आग से 19 लोगों की मौत

सैंटियागो। दक्षिण अमेरिकी देश चिली के जंगल में लगी आग की चपेट में आकर अब तक 19 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने रविवार को इसकी पुष्टि की। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चला है। आग की वजह से अब तक 50 हजार से ज्यादा लोगों को बेघर होना पड़ा है। कई कस्बों में घर, गाड़ियां और पूरी बस्तियां जलकर खाक हो गईं। पेंको शहर के 25 वर्षीय छात्र माटियास सिड ने न्यूज एजेंसी AFP को बताया, आग पूरी तरह बेकाबू हो गई है। आग का बवंडर घरों को निगल गया। हम सिर्फ पहनने के कपड़ों में जान बचाकर निकले। अगर 20 मिनट और रुकते तो जिंदा जल जाते। आग न्युब्ले और बायोबियो इलाकों में फैली है, जो राजधानी सैंटियागो से करीब 500 किलोमीटर दक्षिण में हैं। तेज हवाओं के चलते लगातार दो दिनों से आग फैल रही है।

गडकरी बोले- पुराने लोगों को रिटायर होना चाहिए

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पुराने जनरेशन के लोगों को धीरे-धीरे रिटायरमेंट ले लेना चाहिए। उन्हें नई पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए और उनका मार्गदर्शन करना चाहिए। गडकरी रविवार को नागपुर में एसोसिएशन फॉर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (AID) इवेंट के दौरान 'एडवांटेज विदर्भ- खासदार औद्योगिक महोत्सव' को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। इसे AID के अध्यक्ष आशीष काले ने आयोजित किया था। गडकरी AID के चीफ मेंटर है। उन्होंने कहा- जब नए लोग ठीक से गाड़ी चलाने लगे तो सीनियर लोगों को दूसरा काम करना चाहिए। नागपुर में 6 से 8 फरवरी तक AID के 'एडवांटेज विदर्भ' एक्सपो का आयोजन होगा। इस साल एक्सपो का तीसरा साल है। उन्होंने बताया कि एक्सपो का मकसद भारत के इंडस्ट्रियल मैप पर विदर्भ को एक मजबूत और उभरते विकास केंद्र के रूप में स्थापित करना है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि एक्सपो में टेक्सटाइल, प्लास्टिक, खनिज, कोयला, विमानन, लॉजिस्टिक्स, आईटी, हेल्थकेयर, फार्मा, रक्षा, रियल एस्टेट, रिन्यूएबल एनर्जी और स्टार्टअप्स सहित कई क्षेत्रों की कंपनियां भाग लेंगी। जुलाई 2025 में एक न्यूज चैनल के इंटरव्यू में जब गडकरी से पूछा गया कि क्या वे 75 साल की उम्र के बाद रिटायरमेंट लेंगे, तो उन्होंने कहा कि जब तक स्वस्थ हैं और अच्छा काम कर सकते हैं, तब तक काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा- जब लगे कि छोड़ देना चाहिए, तब छोड़ देंगे।

प.बंगाल में एसआईआर पर 1.25 करोड़ लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी नोटिस जारी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कोर्ट को बताया कि SIR के तहत 1.25 करोड़ 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' नोटिस जारी किए गए हैं। जो पिता-पुत्र की उम्र, नामों की स्पेलिंग (खासतौर पर बंगाली नामों) में अंतर होने पर भेजे जाते हैं। याचिकाकर्ताओं के वकील कपिल सिब्बल ने प्रक्रिया पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा- उम्र के अंतर, नामों की स्पेलिंग पर सवाल हैं। इसलिए लिस्ट सार्वजनिक की जाए। साथ ही बीएलओ को सुधार प्रक्रिया में मदद की जाए। इस पर कोर्ट ने चुनाव आयोग को सख्त निर्देश में कहा- सिर्फ तर्क के आधार पर आम लोगों को परेशान नहीं किया जा सकता। जिन लोगों को 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' के आधार पर नोटिस भेजे गए हैं, उनकी लिस्ट पंचायत और ब्लॉक ऑफिस में सार्वजनिक की जाए। कोर्ट ने कहा कि वोटर लिस्ट में सुधार की प्रक्रिया जरूरी हो सकती है, लेकिन यह पारदर्शी, समयबद्ध और आम लोगों के लिए असुविधाजनक नहीं होनी चाहिए। 15 जनवरी: चुनाव आयोग ने कहा था- ये सिर्फ नागरिकता का वेरिफिकेशन, हम देश निकाला नहीं दे रहे चुनाव आयोग ने SC में कहा था- SIR के तहत आयोग सिर्फ यह तय करता है कि कोई व्यक्ति वोटर लिस्ट में रहने के योग्य है या नहीं। इससे सिर्फ नागरिकता वेरिफाई की जाती है। SIR से किसी का डिपोर्टेशन (देश से बाहर निकालना) नहीं होता, क्योंकि देश से बाहर निकालने का अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास है।

सोनमर्ग में पारा माइनस 8.9°C, हिमाचल में बर्फबारी

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के कारण पारा लगातार माइनस में बना हुआ है। रविवार को सोनमर्ग घाटी का तापमान -8.9°C, श्रीनगर का -4.7°C, शोपियां का -6.7°C और पहलगाम में -6°C रहा। हिमाचल प्रदेश के ऊंचे पहाड़ी बर्फबारी हुई। हमीरपुर में तापमान 2.1°C, ऊना में 2.7°C और मंडी में मंडी 3.9°C रहा। इधर, पंजाब के अमृतसर का तापमान 1.7°C रहा। उत्तर के मैदानी राज्यों में पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, चंडीगढ़, हरियाणा, यूपी में सर्दी का असर है। इन इलाकों में घना कोहरा छाया है। पंजाब के हलवारा में सुबह से विजिबिलिटी जीरो है। वहीं, यूपी में अचानक मौसम पलट गया है। लखनऊ-बाराबंकी समेत कई शहरों में सोमवार सुबह बारिश हुई। अलीगढ़ में ओले गिरे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है। इससे 23 जनवरी से 9 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम और बिगड़ सकता है। पश्चिमी विक्षोभ पश्चिम से आने वाली हवा और बादलों का एक सिस्टम होता है इसके एक्टिव होने से पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी, मैदानी क्षेत्रों में बारिश होगी। तापमान में गिरावट आएगी, साथ ही पाला पड़ने और कोल्डवेव के हालात बन सकते हैं।

कार ने 13 को रौंदा, अब तक 5 की मौत

जबलपुर। जबलपुर में हुए हिट एंड रन मामले में नाराज परिजन और स्थानीय लोगों ने चक्काजाम कर दिया है। करीब 5-6 किलोमीटर तक वाहनों की कतार लगी है। ग्रामीण मुआवजा बढ़ाने और सरकारी नौकरी की मांग को लेकर लगातार नारेबाजी कर रहे हैं। बता दें, हादसे में मृतकों की संख्या 2 से बढ़कर 5 हो गई है। इस हादसे में चैनवती बाई (40) और लच्छो बाई (40) की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि 11 मजदूर घायल हुए थे। रविवार देर रात इलाज के दौरान गोमता बाई पति नवाबी लाल (40), वर्षा कुशराम पति कमलेश (45) और कृष्णा बाई पति संजू (40) ने दम तोड़ दिया। हादसा रविवार दोपहर को उस समय हुआ, जब बरेला से जबलपुर की ओर आ रही सफेद रंग की तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे बैठे 13 मजदूरों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि दुर्घटनाग्रस्त कार बिना नंबर की थी। आरोपी कार चालक अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई है। एएसपी जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। घटनास्थल से लेकर टोल नाकों तक के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। कार चालक की पहचान मझौली निवासी लखन सोनी के रूप में हुई है।

अमेरिकी धमकी के बाद 7 देशों के सैनिक ग्रीनलैंड पहुंचे

फ्रांस ने 15, जर्मनी ने 13 और ब्रिटेन ने सिर्फ 1 सैनिक भेजा, इटली बोला- यह मजाक

एजेंसी, नुउक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकियों के बाद यूरोपीय देश एकजुट हो गए हैं। कई NATO सदस्य देशों ने ऑपरेशन आर्कटिक एंड्योरेंस नाम से एक संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया है। इसके लिए यूरोपीय देशों में फ्रांस ने 15 सैनिक ग्रीनलैंड भेजे हैं, जो 27वीं माउंटेन इन्फैंट्री ब्रिगेड से हैं। जर्मनी ने 13 सैनिकों की एक टीम भेजी है। नॉर्वे, नीदरलैंड और फिनलैंड ने दो-दो सैनिक तैनात किए हैं। ब्रिटेन ने एक सैन्य अधिकारी भेजा है। स्वीडन ने भी सैनिक भेजने की पुष्टि की है, हालांकि संख्या सार्वजनिक नहीं की गई है। कुल मिलाकर, डेनमार्क के मौजूदा सैनिकों के अलावा यूरोपीय देशों से लगभग 35-40 सैन्य कर्मी पहुंचे हैं। वहीं, इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेतो ने इस पूरे ऑपरेशन को मजाक जैसा बताया है।

ग्रीनलैंड में बड़े पैमाने पर सैनिकों के तैनाती की संभावनाः डेनमार्क पहले से ग्रीनलैंड में करीब 200 सैनिक तैनात किए हुए है। इसके अलावा 14 सदस्यीय सीरियस डॉग स्लेज पेट्रोल भी वहां मौजूद है, जो आर्कटिक इलाकों में गश्त करते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि आने वाले दिनों में इन्हें जमीन, हवा और समुद्र के जरिए और मजबूत किया जाएगा। यह संख्या छोटी है, लेकिन यह राजनीतिक संदेश देने के लिए है कि NATO एकजुट है। डेनमार्क की अगुआई में चल रहा ऑपरेशन आर्कटिक एंड्योरेंस एक सैन्य अभ्यास है। इसका मकसद यह देखना है कि अगर भविष्य में ग्रीनलैंड में बड़ी संख्या में सैनिक तैनात करने पड़े, तो उसकी तैयारी कैसी होगी। डेनमार्क के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस अभ्यास का फोकस आर्कटिक इलाके में सहयोगी देशों के बीच तालमेल और काम करने की क्षमता बढ़ाने पर है। आगे चलकर इससे भी बड़ा मिशन लाने की योजना है, जिसे ऑपरेशन आर्कटिक सेंट्री कहा जा रहा है। यह एक नाटो मिशन होगा। इसका उद्देश्य ग्रीनलैंड और उसके आसपास के इलाकों में निगरानी बढ़ाना और किसी भी खतरे का सैन्य जवाब देने की ताकत मजबूत करना है। हालांकि यह मिशन तुरंत शुरू नहीं होगा। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस के मुताबिक, ऑपरेशन आर्कटिक सेंट्री को शुरू होने में अभी कई महीने लग सकते हैं। यानी फिलहाल ग्रीनलैंड में कोई बड़ा नया सैन्य मिशन शुरू नहीं हुआ है, बल्कि उसकी तैयारी और योजना पर काम चल रहा है।

पोलैंड, इटली ने मिशन से दूरी बनाईः NATO के कुछ बड़े सैन्य ताकत वाले देश इस मिशन से दूर रहे। पोलैंड, इटली और तुर्किए ने ग्रीनलैंड में सैनिक भेजने से इनकार कर दिया।

भाजपा अध्यक्ष चुनाव- नितिन नबीन का नामांकन कराने पहुंचे शाह-राजनाथ

निर्विरोध चुना जाना तय, पत्नी दीपमाला बोलीं- पार्टी को हीरे की परख

एजेंसी, नई दिल्ली

भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय है। वे पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए भाजपा मुख्यालय में कुछ देर में नामांकन दाखिल करने वाले हैं। नॉमिनेशन की प्रक्रिया पार्टी हेडक्वार्टर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, नितिन गडकरी और दूसरे सीनियर नेताओं की मौजूदगी में शुरू हो गई है। इन सभी नेताओं ने चुनाव अधिकारी को नितिन के लिए समर्थन पत्र जमा कर दिया है। इधर, नितिन की पत्नी दीपमाला श्रीवास्तव ने कहा, 'केंद्रीय नेतृत्व को पहचान है कि कौन व्यक्ति काम करने में सक्षम, हीरे की परख जौहरी को ही होती है। पार्टी ने हीरा चुनकर निकाल लिया। पार्टी के लिए नितिन ने दिन रात मेहनत की। उनकी मेहनत का फल उन्हें मिल गया।' शाम 4 बजे से 5 बजे तक नामांकन की जांच होगी। शाम 5 बजे से 6 बजे तक नाम वापस लेने का समय होगा। एक ही नामांकन पत्र आया तो चुनाव अधिकारी नितिन को निर्विरोध अध्यक्ष घोषित कर देंगे। अगर किसी और दावेदार ने फॉर्म जमा किया तो 20 तारीख को वोटिंग होगी। भाजपा ने 16 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था। नितिन को 14 दिसंबर 2025 को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था।

अगर नितिन ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बने, तो सबसे युवा होंगेः भाजपा में अब तक 11 नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। इनमें लालकृष्ण आडवाणी तीन बार अध्यक्ष बने, जबकि राजनाथ सिंह ने दो बार यह जिम्मेदारी संभाली। नए भाजपा अध्यक्ष के कार्यकाल में 11 अहम चुनाव पिछले 6 महीने में 3 प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए पिछले 6 महीने में तीन राज्यों में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए हैं।

ग्रीनलैंड क्यों बना दुनिया का नया हॉटस्पॉट

आर्कटिक की बर्फ पिघलने से हमले का खतरा बढ़ा, लाखों टन खनिज पर ट्रम्प-पुतिन-जिनपिंग की नजर

एजेंसी, नुउक

अमेरिका और रूस के बीच मौजूद ग्रीनलैंड अब धीरे-धीरे बहुत अहम इलाका बनता जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है दुनिया का गर्म होना और आर्कटिक में बर्फ का पिघलना। जब बर्फ कम हो रही है, तो वहां नए समुद्री रास्ते खुल रहे हैं और जमीन के नीचे छिपे संसाधन भी सामने आ रहे हैं। इसी वजह से ग्रीनलैंड अब सेना, कारोबार और प्राकृतिक संसाधनों के लिहाज से पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रीनलैंड दुर्लभ खनिजों के मामले में दुनिया में आठवें स्थान पर है और यहां लगभग 15 लाख टन खनिज भंडार होने का अनुमान है। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में भी ग्रीनलैंड को खरीदने की इच्छा जताई थी। तब इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। इसे सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी या दिखावा मानकर नजरअंदाज कर दिया था। अब हालात काफी बदल चुके हैं। ट्रम्प अब इस पर कब्जा करने की धमकी दे रहे हैं।

हाईकोर्ट का कुलदीप सेंगर की सजा पर रोक से इनकार

एजेंसी, उन्नाव

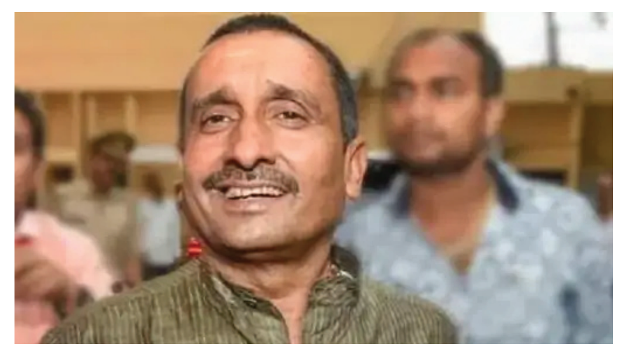

उन्नाव रेप पीड़ित के पिता की कस्टोडियल डेथ में 10 साल की सजा हुई है

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को रेपिस्ट कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबन की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। उसे उन्नाव रेप पीड़ित के पिता की पुलिस हिरासत में मौत मामले में ट्रायल कोर्ट ने 10 साल के कठोर कारावास और 10 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य की हिरासत में मौत के मामले में कोई नरमी नहीं बरती जा सकती। सेंगर के भाई अतुल सिंह सेंगर और पांच अन्य लोगों को भी 10 साल की जेल की सजा दी गई थी। इसी फैसले के खिलाफ सेंगर ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सेंगर ने दलील दी थी कि वह इस केस में करीब 9 साल जेल में रह चुका है और अब सिर्फ 11 महीने की सजा बाकी है। पीड़ित की ओर से वकील महमूद प्राचा ने जमानत का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कोर्ट को बताया था कि सेंगर को जमानत मिलने से पीड़ित और उसके परिवार को खतरा हो। इससे पहले 23 दिसंबर को उम्रकैद की सजा काट रहे भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट ने बेल दे दी थी। इसका विरोध हुआ था, पीड़ित परिवार और सामाजिक संगठन सड़कों पर उतर आए थे। दिल्ली हाईकोर्ट के सामने धरना दिया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी। उन्नाव रेप पीड़िता के पिता को 2018 में हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जेल में उनकी हालत बिगड़ गई थी और बाद में उनकी मौत हो गई थी। पीड़ित के परिजनों ने आरोप लगाया था कि यह कोई सामान्य मौत नहीं है, बल्कि साजिश के तहत की गई कस्टोडियल डेथ थी। आरोप था कि सेंगर के प्रभाव और दबाव में पीड़ित के पिता को प्रताड़ित किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच CBI को सौंपी गई। CBI ने सेंगर और अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। लंबी सुनवाई के बाद निचली अदालत ने सेंगर को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी। इसे निलंबित करने के लिए सेंगर हाईकोर्ट पहुंचे थे। दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि मामला बहुत गंभीर है। इसमें प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा कानून का दुरुपयोग किया गया। कोर्ट ने पीड़ित और उसके परिवार को न्याय दिलाने के लिए कठोर रुख अपनाने की आवश्यकता जताई। कोर्ट ने कहा कि सजा निलंबन का आधार काफी नहीं है, इसलिए सेंगर को राहत नहीं दी जा सकती।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी मुठभेड़ में घायल जवान शहीद

एजेंसी, किश्तवाड़

कल किश्तवाड़ में 8 जवान घायल हुए थे, जैश के 3 आतंकियों की तलाश दूसरे दिन भी जारी

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों की तलाश के दौरान रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान 8 जवान घायल हो गए थे। इनमें से एक जवान की सोमवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। शहीद जवान की पहचान हवलदार गजेंद्र सिंह के रूप में हुई है। किश्तवाड़ में दूसरे दिन भी सर्च ऑपरेशन जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, जंगलों में पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 2 से 3 आतंकी छिपे हुए हैं। आतंकियों को पकड़ने के लिए सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों की कई टीमें इलाके में तैनात हैं। ड्रोन और स्निफर डॉग्स की मदद से जंगलों में तलाशी ली जा रही है। दरअसल, सेना ने रविवार को किश्तवाड़ के तरू बेल्ट में मंडराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव के जंगलों में ऑपरेशन त्राशी-1 शुरू किया था। इसी दौरान आतंकियों से मुठभेड़ हो गई थी।

खौर सेक्टर में पाकिस्तानी प्लेन के आकार का गुब्बारा मिलाः उधर, जम्मू के खौर सेक्टर के पुलिस पोस्ट पल्लनवाला के अंतर्गत गांव कचरियाल में एक खुले मैदान से सोमवार को पाकिस्तानी प्लेन के आकार का गुब्बारा मिला। सफेद और हरे रंग के गुब्बारे पर PIA यानी पाकिस्तानी इंटरनेशनल एयरलाइंस लिखा हुआ है। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले गुब्बारे को देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच पूरी करने के बाद गुब्बारे को आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस पोस्ट पल्लनवाला को सौंप दिया गया है।

संजय राउत का दावा, शिंदे के बाद भाजपा भी अपने पार्षदों को छिपाने की योजना बना रही

एजेंसी, उन्नाव

22 जनवरी को मेयर पद के लिए लॉटरी

शिवसेना (UBT) के सांसद संजय राउत ने सोमवार को दावा किया कि शिंदे के बाद भाजपा भी अपने पार्षदों को किसी सुरक्षित जगह पर ले जाने की योजना बना रही है। राउत ने कहा- शिंदे अपने पार्षदों को पहले ही पांच सितारा होटल में भेज चुके हैं। सवाल है- कौन किससे डर रहा है? संजय राउत ने कहा- नगर निकाय चुनावों के नतीजों को देखते हुए कोई भी पार्टी आसानी से बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) मेयर पद पर दावा नहीं कर सकती। मुख्यमंत्री फडणवीस स्विट्जरलैंड में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक में हैं और यहां पार्षदों को इधर-उधर भेजा जा रहा है। यह अजीब है। महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में 15 जनवरी को चुनाव हुए थे। BMC सहित अन्य निगमों के नतीजे 16 जनवरी को आया था। BMC के 227 सीटों में भाजपा ने 89 वार्ड जीते। शिंदे गुट को 29 सीटें मिलीं। मेयर के लिए बहुमत का आंकड़ा 114 है। इसके लिए भाजपा को शिंदे गुट के 25 पार्षदों के समर्थन की जरूरत होगी।

मेयर पद के लिए 22 जनवरी को निकलेगी लॉटरीः 29 नगर निगमों में मेयर पद के लिए 22 जनवरी को लॉटरी निकाली जाएगी। इसमें यह तय होगा कि पद ओपन कैटेगरी, अनुसूचित जाति/जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग या महिलाओं के लिए आरक्षित रहेगा। कैटेगरी तय होते ही उसी दिन या अगले दिन अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके बाद सात दिन का नोटिस अनिवार्य होने के कारण मेयर चुनाव 29 या 30 जनवरी को होने की संभावना है। अगर अधिसूचना 23 जनवरी को जारी हुई तो मतदान 30 या 31 जनवरी को कराया जा सकता है। मुख्यमंत्री फडणवीस 24 जनवरी को स्विट्जरलैंड से वापस आएंगे। चुनाव नतीजों के बाद शिवसेना ने अपने 29 पार्षदों को बांद्रा के होटल ताज लैंड्स एंड में ठहराया है। पार्टी का कहना है कि होटल में पार्षदों के लिए ओरिएंटेशन वर्कशॉप किया जा रहा है।

सब-इंस्पेक्टर ने महिला पुलिसकर्मियों के टॉयलेट में कैमरा छिपाया

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु में एक स्पेशल सब-इंस्पेक्टर (SSI) ने महिला पुलिस अफसरों के टॉयलेट में हिडन कैमरा छिपा दिया। घटना का पता तब चला जब महिला पुलिसकर्मियों ने टॉयलेट में एक मोबाइल फोन देखा। जांच में पता चला कि मोबाइल आरोपी SSI का था। वह टॉयलेट के अंदर महिला पुलिसकर्मियों का वीडियो बना रहा था। घटना शनिवार की है। हैरानी की बात यह है कि आरोपी ने रामनाथपुरम जिले के परमकुडी में घटना को उस समय अंजाम दिया जब वहां मुख्यमंत्री एमके स्टालिन स्वतंत्रता सेनानी त्यागी इमैनुएल सेकरन के मणि मंडपम का उद्घाटन करने पहुंचे थे।

चेक पोस्ट पर ड्यूटी कर रहा था आरोपीः CM के कार्यक्रम को लेकर पूरे जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मुख्यमंत्री की सुरक्षा में राज्य के अलग-अलग इलाकों से महिला पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया था। आरोपी SSI परमकुडी नगर पुलिस थाने में तैनात था और मणि नगर चेक पोस्ट पर ड्यूटी कर रहा था। इसी जगह पर तंजावुर क्षेत्र की महिला पुलिसकर्मी भी तैनात थीं। पुलिस के अनुसार, महिला पुलिसकर्मियों ने टॉयलेट में एक मोबाइल फोन से वीडियो रिकॉर्ड होते हुए देखा। परमाकुडी पुलिस के अनुसार, मोबाइल फोन से कुछ महिला पुलिस अफसरों के वीडियो भी मिले हैं।

अखिलेश के सौतेले भाई प्रतीक यादव पत्नी से तलाक लेंगे

एजेंसी, लखनऊ

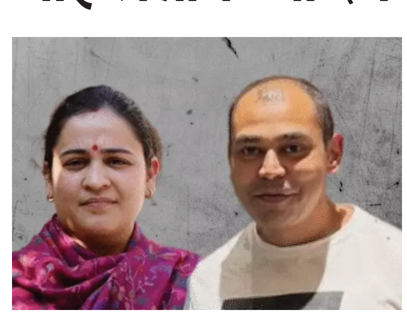

अपर्णा के लिए इंस्टाग्राम पर लिखा- स्वार्थी महिला ने मेरा परिवार बर्बाद कर दिया

मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक अपनी पत्नी और भाजपा नेता अपर्णा यादव से तलाक लेंगे। प्रतीक ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर अपर्णा से रिश्ते खत्म करने का ऐलान किया। उन्होंने लिखा- मैं इस स्वार्थी औरत से जल्द से जल्द तलाक लेने जा रहा हूं। इसने मेरे पारिवारिक रिश्ते बर्बाद कर दिए। इसका एकमात्र लक्ष्य है मशहूर और प्रभावशाली बनना। इस समय मेरी मानसिक स्थिति बहुत खराब है। इसे कोई परवाह नहीं। इसे सिर्फ अपनी ही चिंता है। मैंने कभी ऐसी बुरी आत्मा नहीं देखी। मेरा दुर्भाग्य था कि मैंने इससे शादी की। अपर्णा इस वक्त भाजपा में हैं, और उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं। प्रतीक (38) ने अपर्णा (36) से 14 साल पहले लव मैरिज की थी। प्रतीक मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे हैं। यानी अखिलेश यादव के सौतेले भाई। अपर्णा ने 2022 विधानसभा चुनाव से पहले अचानक सपा छोड़कर भाजपा जॉइन की थी। अपर्णा पति प्रतीक के साथ लखनऊ में विक्रमादित्य मार्ग में रहती हैं। हालांकि, सोमवार को अपर्णा मीडिया में रहती हैं जबकि प्रतीक विदेश में थे। यानी, दोनों लखनऊ में नहीं हैं।

अचानक तलाक की नौबत कैसे आई? पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, प्रतीक ने खुलेआम तलाक का ऐलान जरूर किया लेकिन, दोनों के रिश्तों में खटास 3 साल पहले यानी 2022 से आ गई थी, जब प्रतीक की मर्जी के खिलाफ अपर्णा ने अचानक भाजपा जॉइन कर ली थी। प्रतीक ने 5 फरवरी 2025 को भी अपर्णा के खिलाफ सोशल मीडिया पर 3 पोस्ट किए थे, लेकिन बाद में उसे डिलीट कर दिया। उन्होंने लिखा था- अपर्णा ने उनकी जिंदगी नरक बना दी। सबूत के साथ सभी को इस बारे में बताएंगे। अपर्णा ने मेरी जिंदगी नरक बना दी। अपर्णा की सच्चाई और अतीत मेरे अलावा कोई नहीं जानता। इसका साथ मत दीजिए। ये जो भी करती है पैसे और पावर के लिए करती है। प्रतीक की इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद अपर्णा और प्रतीक किसी का फोन नहीं उठा रहे हैं। भास्कर ने अपर्णा के भाई को कॉल किया तो उन्होंने कहा- हो सकता है अकाउंट हैक हुआ हो। वह पूरे मामले में जल्द बयान जारी करेंगे। वहीं, अखिलेश और सपा का इस पूरे मामले में कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है।

2011 में शादी हुई थी, 2 बेटियां हैंः अपर्णा का परिवार मूल रूप से उत्तराखंड का रहने वाला है। नाम अपर्णा बिष्ट था। शादी के बाद अपर्णा बिष्ट यादव रख लिया। अपर्णा के पिता जर्नलिस्ट थे, बाद में राज्य सूचना आयुक्त बने।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 19-23 जनवरी दावोस 2026 और संवाद की भावना- वैश्विक अनिश्चितताओं के युग में सहयोग, भरोसा और नई वैश्विक रूपरेखा की तलाश-एक समग्र विश्लेषण

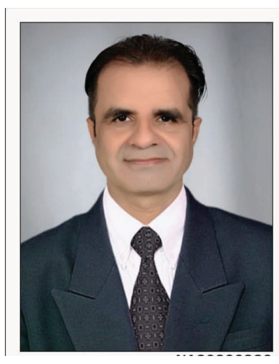

लोकतंत्र की शान

» डब्ल्यूईएफ वैश्विक राजनीति कूटनीति और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी प्रभावी संवाद का केंद्र बन चुका है

» डब्ल्यूईएफ दुनियाँ के शीर्ष नेताओं, व्यापारिक दिग्गजों और बौद्धिक नेतृत्व को एक मंच पर लाकर वैश्विक,क्षेत्रीय और औद्योगिक नीतियों को आकार देने का प्रयास करता है- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर स्विट्जरलैंड के दावोस में 19 जनवरी 2026 से शुरू हुई वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम(डब्ल्यूईएफ) की 56वीं वार्षिक बैठक एक ऐसे समय में आयोजित हो रही है,जब वैश्विक व्यवस्था एक गहरे संक्रमण काल से गुजर रही है।23 जनवरी तक चलने वाली यह बैठक केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नहीं है, बल्कि यह उस वैश्विक मंच का प्रतिनिधित्व करती है जहाँ दुनिया की आर्थिक, राजनीतिक और तकनीकी दिशा तय करने वाले निर्णयों की बुनियाद रखी जाती है। इस वर्ष की बैठक का केंद्रीय विषय,ए स्पिरिट ऑफ डायलॉग (संवाद की भावना) अपने आप में इस बात का संकेत है कि दुनियाँ आज टकराव, ध्रुवीकरण और अविश्वास के दौर से निकलकर संवाद, सहयोग और सहमति की नई राह तलाश रही है।दावोस की वार्षिक बैठक वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का सबसे प्रमुख आयोजन है, जिसने पिछले पाँच दशकों से वैश्विक एजेंडा निर्धारण में एक अनूठी भूमिका निभाई है। यह मंच राजनीतिक नेतृत्व, वैश्विक कॉरपोरेट जगत, नागरिक समाज, शिक्षाविदों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और उभरते युवा नेतृत्व को एक साथ लाकर उन मुद्दों पर चर्चा करता है,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जो किसी एक देश या क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि पूरी मानवता के भविष्य से जुड़े होते हैं। वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन,तकनीकी क्रांति,भू-राजनीतिक संघर्ष और सामाजिक असमानताएँये सभी विषय दावोस की चर्चाओं के केंद्र में रहते हैं।वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है और इसकी स्थापना का मूल उद्देश्य यही रहा है कि विश्व की जटिल समस्याओं का समाधान केवल सरकारों या बाजार के बल पर नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयासों और बहु-हितधारक सहयोग के माध्यम से ही संभव है। आसान शब्दों में कहें तो डब्ल्यूईएफ दुनियाँ के शीर्ष नेताओं, व्यापारिक दिग्गजों और बौद्धिक नेतृत्व को एक मंच पर लाकर वैश्विक, क्षेत्रीय और औद्योगिक नीतियों को आकार देने का प्रयास करता है। साथियों बात अगर हम दावोस 2026,भागीदारी का अभूतपूर्व विस्तार इसको समझने की करें तो,दावोस 2026 की बैठक अपने पैमाने और प्रतिनिधित्व केलिहाज़ से भी ऐतिहासिक मानी जा रही है। इस वर्ष 130 से अधिक देशों से लगभग 3,000 नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। इनमें लगभग 400 राजनीतिक नेता शामिल हैं,जिनमें करीब 65 राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख तथा जी-7 के छह नेता भी भाग ले रहे हैं। यह आँकड़े इस बात को रेखांकित करते हैं कि दावोस अब केवल आर्थिक विमर्श का मंच नहीं रह गया है,बल्कि यह वैश्विकराजनीति कूटनीति और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी प्रभावी संवाद का केंद्र बन चुका है।राजनीतिक नेतृत्व के साथ- साथ लगभग 850 शीर्ष वैश्विक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और कॉरपोरेट अध्यक्ष इस मंच पर मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 100 यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स और अत्याधुनिक तकनीकी कंपनियों के अग्रणी भी इस बैठक में भाग ले रहे हैं।यह उपस्थिति इस बात का संकेत है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था का भविष्य अब केवल पारंपरिक उद्योगों तक सीमित नहीं,बल्कि नवाचार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और उभरती प्रौद्योगिकियों से गहराई से जुड़ा हुआ है।इस वर्ष दावोस में सबसे अधिक निगाहें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर टिकी हुई हैं। उनके नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति, व्यापार नीति और भू- राजनीतिक दृष्टिकोण को लेकर वैश्विक स्तरपर उत्सुकता और चिंता दोनों बनी हुई हैं। ट्रंप की मौजूदगी दावोस 2026 को न केवल मीडिया की दृष्टि से बल्कि वैश्विक नीति विमर्श के लिहाज़ से भी अत्यंत महत्वपूर्ण बना देती है। साथियों बात अगर हम संवाद का मंच:भरोसे की बहाली की कोशिश इसको समझने की करें तो,वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम स्वयं को संवाद,सहयोग और कार्रवाई के लिए एक निष्पक्ष मंच के रूप में प्रस्तुत करता है। यह मंच ऐसे समय में और अधिक प्रासंगिक हो जाता है, जब दुनियाँ भू- राजनीतिक तनाव, युद्धों, व्यापारिक टकरावों और सामाजिक विभाजन से जूझ रही है। डब्ल्यूईएफ का दावा है कि वह विभिन्न क्षेत्रों के नेताओं के बीच सार्थक संवाद को बढ़ावा देकर विश्वास की बहाली का कार्य करता है,एक ऐसा विश्वास, जो हाल के वर्षों में वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में बुरी तरह डगमगाया है।दावोस केवल विचार-विमर्श का मंच नहीं है, बल्कि यह देशों के लिए अपनी आर्थिक और निवेश क्षमता को वैश्विक समुदाय के सामने प्रस्तुत करने का अवसर भी देता है। उदाहरण के तौर पर, 2026 में भारत दावोस में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।भारत न केवल अपने राष्ट्रीय विकास एजेंडे को प्रस्तुत कर रहा है, बल्कि गिफ्ट सिटी जैसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र और कर्नाटक, तेलंगाना जैसे राज्यों की निवेश संभावनाओं को भी वैश्विक निवेशकों के समक्ष प्रदर्शित कर रहा है।वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की पहचान उसकी प्रतिष्ठित वैश्विक रिपोर्टों से भी जुड़ी हुई है। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट, ग्लोबल रिस्क रिपोर्ट और ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस रिपोर्ट जैसी रिपोर्टें न केवल नीति-निर्माताओं के लिए संदर्भ बिंदु बनती हैं, बल्कि वैश्विक मीडिया, शिक्षाविदों और निवेशकों के लिए भी दिशा-निर्देशक का काम करती हैं।ये रिपोर्टें वैश्विक असमानताओं, जोखिमों और प्रतिस्पर्धात्मकता केरुझानों को उजागर कर सरकारों और संस्थानों को आत्ममंथन के लिए प्रेरित करती हैं। साथियों बात अगर हम संवाद की भावना:2026 की थीम का गहन अर्थ को समझने की करें तो,दावोस 2026 की बैठक का मुख्य विषय संवाद की भावना अपने आप में वर्तमान वैश्विक परिस्थिति का प्रतिबिंब है। यह थीम इस बात पर केंद्रित है कि भू-राजनीतिक जोखिम,आर्थिक अनिश्चितता और सुरक्षा, संप्रभुता तथा वैश्विक एकीकरण को लेकर बदलती धारणाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग को किस प्रकार नए सिरे से परिभाषित और मजबूत किया जा सकता है।आज दुनियाँ एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ एक ओर वैश्वीकरण के लाभों पर सवाल उठ रहे हैं, तो दूसरी ओर राष्ट्रवाद और संरक्षणवाद का उभार देखने को मिल रहा है। ऐसे में संवाद केवल कूटनीतिक शब्द नहीं रह जाता, बल्कि यह वैश्विक स्थिरता और शांति की अनिवार्य शर्त बन जाता है।दावोस 2026 में यहप्रयास किया जा रहा है कि मतभेदों के बावजूद साझा हितों की पहचान की जाए और सहयोग के नए मॉडल विकसित किए जाएँ।इस वर्ष की बैठक में वैश्विक नेता, वरिष्ठ राजनयिक, उद्योग विशेषज्ञ, थिंक टैंक और सामाजिक उद्यमी एक साथ मिलकर जलवायु परिवर्तन, आर्थिक असमानता, आपूर्ति श्रृंखला संकट, ऊर्जा सुरक्षा और तकनीकी परिवर्तन जैसे ज्वलंत मुद्दों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। इन चर्चाओं का उद्देश्य केवल समस्याओं की पहचान करना नहीं, बल्कि व्यावहारिक और क्रियान्वयन योग्य समाधानों की तलाश करना है।आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार,दावोस 2026 की चर्चाएँ लचीलेपन (रेज़िलिएंस), प्रतिस्पर्धात्मकता और समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाले रास्तों पर केंद्रित हैं।इसके साथ ही,भू-राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता को प्रबंधित करने की रणनीतियों पर भी गंभीर विमर्श हो रहा है। विशेष रूप से जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी परिवर्तनकारी तकनीकों के जिम्मेदार और नैतिक उपयोग पर जोर दिया जा रहा है, ताकि तकनीकी प्रगति मानव कल्याण के साथ तालमेल में सटीक रूप से आगे बढ़े। साथियों बात अगर हम भारत की भूमिका:दावोस में उभरती शक्ति का प्रदर्शन इसको समझनें कि करें तो दावोस 2026 में भारत की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय है। भारत न केवल दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, बल्कि वह वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की आवाज़ के रूप में भी उभर रहा है। इस वर्ष भारत से कई केंद्रीय मंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्री दावोस पहुँचे हैं, जो देश की बहु-क्षेत्रीय विकास रणनीति को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत कर रहे हैं।रेलवे, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी, कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, नवीकरणीय ऊर्जा और नागरिक उड्डयन जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी इस बात कोदर्शाती है कि भारत दावोस को केवल निवेश आकर्षित करने का मंच नहीं, बल्कि नीति संवाद और वैश्विक साझेदारी के अवसर के रूप में देखता है। भारत का फोकस बुनियादी ढांचे,डिजिटल परिवर्तन,हरित ऊर्जा और समावेशी विकास पर है, जो वैश्विक निवेशकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है।भारत की रणनीति यह स्पष्ट संदेश देती है कि वह वैश्विक अर्थव्यवस्था में केवल एक बाज़ार या श्रम शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि एक नवाचार-संचालित, नीति-सक्षम और जिम्मेदार वैश्विक साझेदार के रूप में अपनी भूमिका स्थापित करना चाहता है। गिफ्ट सिटी को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र के रूप में प्रस्तुत करना और राज्यों की निवेश नीतियों को सामने लाना इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि दावोस 2026 की 56वीं वार्षिक बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब दुनियाँ बहु-आयामी संकटों से घिरी हुई है। आर्थिक अनिश्चितता जलवायु संकट, तकनीकी असंतुलन और भू-राजनीतिक तनाव ये सभी चुनौतियाँ किसी एक देश के प्रयासों से हल नहीं हो सकतीं। ऐसे में 'संवाद की भावना' केवल एक थीम नहीं,बल्कि एकवैश्विक आवश्यकता बन जाती है।वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का दावोस मंच यह याद दिलाता है कि मतभेदों और प्रतिस्पर्धा के बावजूद सहयोग संभव है, बशर्ते संवाद के दरवाज़े खुले रहें। दावोस 2026 की चर्चाएँ यदि वास्तविक नीतिगत बदलावों और ठोस अंतरराष्ट्रीय सहयोग में तब्दील होती हैं,तो यह बैठक वैश्विक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में याद की जाएगी। भारत सहित सभी प्रमुख देशों के लिए यह अवसर है कि वे न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाएँ, बल्कि एक अधिक स्थिर, समावेशी और टिकाऊ वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में भी सक्रिय भूमिका निभाएँ।

-संकलनकर्ता लेखक- क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

पिंक टैक्स के बोझ से दबी आधी आबादी

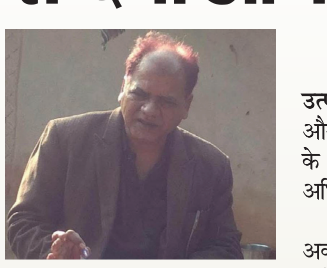

राजेश पाठक

पिंक टैक्स एक ऐसी बाजार रणनीति है जिसमें महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक कीमत पर उत्पाद और सेवाएं बेची जाती हैं, भले ही उत्पादों की गुणवत्ता और कार्य समान हों। यह एक वास्तविक कर नहीं है, बल्कि कंपनियों द्वारा अपनी बाजार रणनीति के तहत अपनाई जाने वाली एक मूल्य निर्धारण नीति है।इस टैक्स की अवधारणा वर्ष 1994 में कैलीफोर्निया से पूरे विश्व में फैली। भारत में पिछले दिनों पिंक टैक्स की अवधारणा तब चर्चा में आयी जब भारतीय बायोफार्मास्युटिकल कंपनी बायोकॉन की संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष, किरण मजूमदार-शॉ ने इसके बारे में बात की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया।जिसमें उन उत्पादों के लिए पक्षपाती मूल्य निर्धारण प्रथाओं के बारे में बताया।जिनका दुनिया भर में महिलाएं उपयोग कर रही हैं।इन प्रथाओं की निंदा की और महिलाओं से ऐसे उत्पादों को त्यागने को कहा। उन्होंने कहा कि "पिंक टैक्स! एक शर्मनाक लैंगिक पक्षपात है। ऐसे उत्पादों का त्याग करके महिलाओं को जवाब देना चाहिए। क्योंकि ब्रांडों द्वारा "समान आकार और मात्रा" के कुछ उत्पादों के लिए महिलाओं से कहीं अधिक शुल्क लिया जाता है और पुरुषों से कम शुल्क लिया जाता है। डब्ल्यूईएफ का भी कहना है कि लिंग आधारित मूल्य असमानताएं कई क्षेत्रों में मौजूद हैं, लेकिन सबसे प्रमुख में से एक व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद है। जिसमें साबुन, लोशन, डिओडोरेंट, रेजर ब्लेड हैं, जो विशेष रूप से महिलाओं या पुरुषों के लिए बेचे गए हैं। उन्होंने अपने वीडियो में यह भी कहा कि महिलाओं के लिए एक लिप बाम की कीमत 250 रुपये है, जबकि पुरुषों के लिए 165 रुपये है, महिलाओं के लिए एक टी-शर्ट की कीमत 50 प्रतिशत ज्यादा है।

पिंक टैक्स के उदाहरणः

1.व्यक्तिगत देखभाल उत्पादः महिलाओं के रेजर, शैम्पू और डिओडोरेंट जैसे उत्पाद पुरुषों के समान उत्पादों की तुलना में अधिक महंगे हो सकते हैं।

2. कपड़ेः महिलाओं के कपड़े अक्सर पुरुषों के कपड़ों की तुलना में अधिक महंगे होते हैं।

3.पेशेवर सेवाएंः महिलाओं के ब्लाउज की ड्राई क्लीनिंग पुरुषों की शर्ट की तुलना में अधिक महंगी हो सकती है।

4.अन्य उत्पादः स्कूटर, खिलौने और कुछ चिकित्सा उत्पादों जैसे उत्पादों में भी महिलाओं के लिए अधिक कीमतें देखी गई हैं।

पिंक टैक्स क्यों मौजूद है- कंपनियां उत्पादों को विभिन्न जनसांख्यिकी के अनुसार वर्गीकृत करती हैं और महिलाओं के लिए विशेष पैकेजिंग और ब्रांडिंग के साथ अधिक कीमतें वसूलती हैं। कुछ कंपनियां मानती हैं कि महिलाएं उनके लिए डिज़ाइन किए गए उत्पादों के लिए अधिक भुगतान करने को तैयार हैं। इतना ही नहीं कुछ मामलों में, पुरुष और महिला उत्पादों के बीच केवल रंग या डिज़ाइन में अंतर होता है, जो गुणवत्ता या कार्यक्षमता पर कोई प्रभाव नहीं डालता है। इस प्रकार हम पाते हैं कि टैक्स लिंग समानता और गैर-भेदभाव के संवैधानिक सिद्धांतों के तहत कानूनी चिंताएं पैदा करता है। यद्यपि सरकारें लिंग-आधारित मूल्य निर्धारण को प्रतिबंधित करने के लिए कानून बनाने का प्रयास कर रही हैं तथापि ये नाकाफी हैं। कुछ स्थानों पर विशिष्ट पहलुओं को संबोधित करने के लिए कानून पारित किए गए हैं, जैसे कि कुछ स्त्री स्वच्छता उत्पादों पर मूल्य वर्धित कर (वैट) को समाप्त करना। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि पिंक टैक्स एक ऐसी समस्या है जिसका समाधान करने के लिए सरकार, कंपनियों और उपभोक्ताओं को मिलकर काम करना होगा। महिलाओं को समान उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक कीमतें नहीं देनी चाहिए। ऐसा करके ही हम लैंगिक समानता की दिशा में एक और नया अध्याय जोड़ पाएंगे।

(लेखक झारखंड सरकार के योजना एवं विकास विभाग में सांख्यिकी अधिकारी हैं)

डिजिटल अरेस्ट... आसान है ठगों को आईना दिखाना

डॉ. सुभाष गुप्ता

मर्ज बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की... सरीखे अंदाज में डिजिटल अरेस्ट एक ऐसा अपराध बन गया है, जो तमाम सरकारी प्रयासों के बाद भी बढ़ता जा रहा है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल स्टेटस रिपोर्ट में जहां इस तेजी से पैर पसारते अपराध से निपटने के प्रयासों का जिक्र किया गया है, वहीं इस गंभीर अपराध पर रोक लगाने की योजना बनाने में समय लगने की बात भी कही है। डिजिटल अरेस्ट से बचाने की सरकारी योजनाओं, पुलिस और मीडिया के जागरुकता लाने के तमाम प्रयासों के बावजूद इस अपराध का बेकाबू होते जाना यूं ही नहीं है, कई तरह की मानवीय कमजोरियां, सामाजिक ताना-बाना और इंसानी स्वभावों की भिन्नता इस संगीन अपराध की जड़ों को मजबूत बना रही है। दरअसल, डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली ठगी से खुद को खुद ही बचाया जा सकता है, लेकिन यह इतनी सी बात भर नहीं है। इसे समझने के लिए खुद को समझना जरूरी है और उससे भी ज्यादा जरूरी है अपने ऊपर विश्वास करना। यकीन मानिये कि इस अपराध से बचने के लिए कुछ खास करने की आवश्यकता ही नहीं है, बस कुछ सामान्य सी बातों का ध्यान रखकर डिजिटल अरेस्ट का जाल फेंकने वालों को आईना दिखाया जा सकता है। डिजिटल अरेस्ट क्या होता है? ये सवाल उतना ही पुराना है, जितना कि ये अपराध। ये अपराध शुरु होने से पहले लोग इस शब्द युगम को नहीं जानते थे। सच कहें, तो डिजिटल अरेस्ट जैसा कुछ होता ही नहीं, ये बस आभासी दुनिया से जुड़ा शब्दों का एक जोड़ा भर है, जिसका हकीकत से कोई वास्ता नहीं । कानून की किसी किताब में डिजिटल अरेस्ट करने का कोई प्रावधान नहीं है। जिस तरह की गिरफ्तारी का कोई प्रावधान नहीं है, उसके नाम पर लोगों को ठगा जा रहा है। रोजाना ऐसी वारदातें हो रही हैं। लोग अपनी खून पसीने की कमाई के लाखों से लेकर करोडों रुपये तक उस गिरफ्तारी के डर से गंवा रहे हैं, जो कि कहीं होती ही नहीं।

ये हमारे देश का सच है कि कोई विभाग किसी की डिजिटल गिरफ्तारी नहीं कर सकता, लेकिन इसके बावजूद लोग डिजिटल अरेस्ट का झांसा देने वाले ठगों के जाल में क्यों फंस जाते हैं? इसे समझने के लिए इस अपराध के पीछे मनोवैज्ञानिक,सामाजिक और व्यक्तित्व/स्वभाव से जुड़े कारणों को समझना जरुरी है। इस अपराध की बुनियाद आम तौर से एक फोन कॉल से पड़ती है। यह सामान्य मोबाइल कॉल, व्हाट्सएप कॉल या वीडियो कॉल हो सकती है। यह कॉल हमेशा किसी अंजान नंबर से आती है। कॉल से साथ फोटो या वीडियो भी हो सकता है, जो अक्सर किसी वर्दीधारी व्यक्ति का होता है। कॉल करने वाला खुद को पुलिस, किसी केंद्रीय एजेंसी या नियामक एजेंसी से जुड़ा बताकर ड्रग्स, रेप, देश विरोधी गतिविधियों में आपके आधार से जुड़े मोबाइल के उपयोग, बेटा या बेटी के किसी संगीन अपराध में पकड़े जाने जैसी प्रायः काफी लोगों के दिमाग को सुन्न कर देने वाली जानकारी देकर भय का जाल बिछाता है और अपने शब्दों से संभावित शिकार पर पड़ने वाले असर को बाखूबी जांचते परखते हुए जाल को टाईट करता चला जाता है। इस क्रम में कई फर्जी अधिकारियों से भी बात करायी जाती है और कभी कभी कोर्ट रूम या किसी थाने या पुलिस मुख्यालय जैसे सीन क्रिएट करके बैक ग्राउंड में दिखाये जाते हैं, ताकि शिकार बनने वाला व्यक्ति ठगों के शब्दों को सच मानने की गलती कर सके। यह सच है कि इस अपराध से जुड़ी ये सामान्य सी दिखने वाली जानकारियां डिजिटल अरेस्ट रूपी जाल से बचने की गारंटी बन सकती हैं। विपरीत परिस्थितियों में एकदम घबरा जाने वाले लोग इस तरह के ठगों के लिए बहुत मुफीद होते हैं। किसी अपराध से जुड़े होने की बात सुनते ही अनिष्ट की आशंका उन्हें तर्क वितर्क से दूर कर देती है और घबराहट में जो व्यक्ति सामने दिखाई दे रहा है, उसे ही वे अपना हितैषी मानने की गलती कर देते हैं। ऐसे लोग अक्सर सामने वाले के नाटक को सच मान लेते हैं और सिर पर बड़ा खतरा मंडराने, जेल जाने या जमाने में बदनाम हो जाने के झूठे भय के जाल की रचना करने वाले को उसके आत्मविश्वास, धाराप्रभाव उस विषय पर बोलने, वर्दी आदि पहने होने और थोड़ी हमदर्दी दिखाने भर से सच्चा और अपना हितैषी मान लेने की प्रवृत्ति इस अपराध में आसानी से फंसा सकती है। ऐसी ठगों का फोन आते ही जिनके दिल और दिमाग पर भय इस कदर हावी हो जाता है कि वे सब कुछ भूल जाते हैं। यहां तक कि जिस देश में लाखों असली मुकदमें साल दर साल तारीखों में उलझे हों, वहां फोन या वीडियो कॉल पर तत्काल किसी मामले की सुनवाई और निस्तारण जैसा छल भी उन्हें वास्तविक लगने लगता है। इसका एक बड़ा कारण आसपास के माहौल से खुद को दूर रखना भी है। देश और समाज की घटनाओं से अंजान रहने वाले, किसी पर एकदम भरोसा कर लेने वाले और अपने सुख दुख दूसरों के साथ शेयर न करने वाले व्यक्ति इन ठगों का ज्यादा शिकार बनते हैं। रिटायर्ड होने के बाद देश दुनिया से मुंह मोड़ लेना जीने को कोई ऐसा तरीका नहीं है, जो जीवन को निरापद और सुकून वाला बना सकता हो। शतुरमुर्ग की तरह रेत में सिर छुपा लेना, अपनी सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कार्य होता है। डिजिटल अरेस्ट से बचने के लिए जमाने के साथ कदमताल करना जरूरी है। खुशहाल जिंदगी जीने का सामान्य सा तरीका है कि कोई भी नई समस्या सामने आने पर अपने परिजनों या दोस्तों के साथ उस पर चर्चा कर ली जाये। जिस तरह की समस्या पहले कभी सामने नहीं आई, उससे अपने बूते अकेले और तुरंत निपटने का आत्मविश्वास इस ठगी से बचा भी सकता है और सामने वाले को सही मान बैठें, तो यही आत्मविश्वास ठगी का कारण भी बन सकता है... फोन काट दिया, तो बच गये, सामने वाले पर भरोसा कर लिया तो लुट गये। इन ठगों से बचना है, तो खुद पर दृढ विश्वास रखना जरूरी है। आसपास की दुनिया से खबरदार रहना और किसी अंजान पर विश्वास करके एकदम कोई कदम उठाने के बजाय उस विषय पर अपने परिजनों, दोस्तों आदि किसी से भी चर्चा कर लेने में समझदारी है। अन्यथा बाद में नुकसान उठाने के साथ ही शर्मिंदगी का भी सामना करना पड़ सकता है। यकीन मानिये, ये ठग आपसे ज्यादा समझदार नहीं होते, बस आपकी कोमल भावनाओं का लाभ उठाने वाले ऐसे धूर्त होते हैं, जो सरलता, आसानी से विश्वास कर लेने और मीठा बोलने वालों को सच्चा मान लेने की मानव सुलभ प्रकृति को इस अपराध की बुनियाद बनाते हैं।

भ्रष्टाचार पर चीन ने दिखाई सख्ती अब भारत की बारी

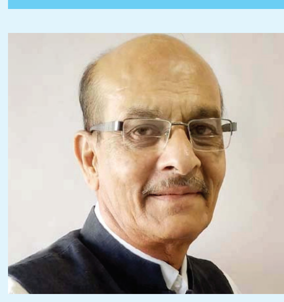

लेखक-सनत जैन

चीन में भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी अभियान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। वर्ष 2025 में चीन ने लगभग 10 लाख लोगों को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया और उनमें से 9.83 लाख दोषी ठहराए गए। जो अब सजा भुगत रहे हैं। यह कार्यवाही सिर्फ संख्या दर्शानी वाली नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रमाण है जिसके दम पर चीन ने अपनी प्रशासनिक व्यवस्था को भ्रष्टाचार से मुक्त करने और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था बनाने की दिशा में काम करने में सफल हुआ है। 2012 में शी जिनपिंग के सत्ता में आने के बाद से भ्रष्टाचार उन्मूलन का काम शुरू हुआ। इस अभियान में अब तक 72 लाख से अधिक मामलों की जांच हो चुकी है। बैंकिंग, रक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, सरकारी और निजी कंपनियां इत्यादि का कोई भी क्षेत्र कार्यवाही से अछूता नहीं रहा। चीन में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की खास बात यह है, यहां "बड़ा आदमी" या "महत्वपूर्ण पद" पर बैठे लोग भी भ्रष्टाचारियों का बचाव नहीं कर पाते हैं। 2025 में चीन के 69 शीर्ष अधिकारी ,केंद्रीय मंत्री स्तर से लेकर प्रांतीय प्रमुखों के पदों पर बैठे हुए लोगों को भ्रष्टाचार के आरोप प्रमाणित होने के बाद सजा दी गई है। सेंट्रल कमीशन फॉर डिसिप्लिन इंस्पेक्शन और नेशनल कमीशन ऑफ सुपरविजन के जरिए पार्टी और सरकार ने यह संदेश दिया है, महत्वपूर्ण पद पर बैठे हुए लोगों को सत्ता को पिंजरे में रखना जरूरी है। टीवी डॉक्यूमेंट्री के जरिए भ्रष्टाचार के तरीकों और दोषियों के कबूलनामों को चीन में सार्वजनिक किया जा रहा है। इसके कारण भ्रष्टाचारियों में भारी भय व्याप्त है। आम जनता सजग हुई है। वह शिकायत करने के लिए अब सामने आ रही है। भारत में ठीक इसके विपरीत स्थिति है। भ्रष्टाचारी यदि सत्ता पक्ष का है तो उसके बचाव करने के लिए पूरा शासन और प्रशासन तंत्र सामने आ जाता है। 2014 के बाद से सत्ता पर बैठे हुए लोग और प्रशासनिक पदों पर बैठे हुए लोगों के खिलाफ भारत में कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है जो कार्रवाई हो रही है वह छोटे-छोटे पदों में बैठे हुए लोगों के खिलाफ हो रही है। भारत में भ्रष्टाचार कॉरपोरेट तरीके से सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। भारत में भ्रष्टाचार के मामले अक्सर दर्ज ही नहीं होते हैं, वर्षों तक जांच के नाम पर लटके रहते हैं। बड़े नेता और अफसर कानूनी जटिलताओं, राजनीतिक संरक्षण और "वाशिंग मशीन" जैसी प्रक्रियाओं से बचे रहते हैं। नतीजा यह कि भारत की आम जनता छोटे-छोटे से कामों के लिए भ्रष्टाचार की चक्की में पिस रही है। भारत में नौकरशाही के साथ-साथ अब न्यायपालिका के ऊपर भी भ्रष्टाचार के आरोप बड़े पैमाने पर लग रहे हैं। राजनीतिक, प्रशासनिक एवं न्यायपालिका में जिस तरह से भ्रष्टाचार फैल रहा है उसको लेकर आम जनता में सिस्टम पर भरोसा कमजोर होता जा रहा है। भारतीय दंड संहिता में जो नए प्रावधान किए गए हैं, उसके अनुसार शासन की अनुमति के बिना भ्रष्टाचार की शिकायतों पर कार्रवाई संभव ही नहीं है। भारत में एफआईआर दर्ज न होने से सरकार और उसके अधिकारी अपने आप को ईमानदार बताने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। आंकड़ों को बेहतर दिखाने और भ्रष्टाचार मुक्त बताने के लिए सरकार स्वयं भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने का काम करती है। जिसके कारण भारत में भ्रष्टाचार दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही चला जा रहा है। चीन का उदाहरण दिखाता है, भ्रष्टाचार से लड़ाई सिर्फ कानून बनाने से नहीं हो सकती है। भ्रष्टाचार के खिलाफ शिकायत और उसकी जांच बिना अपवाद, जांच करने एवं कठोर कार्यवाही करने से भ्रष्टाचार को नियंत्रित किया जा सकता है। चीन में सरकार भ्रष्टाचार के मामलों से घबराती नहीं है। वह बेहतर शासन देने के लिए भ्रष्टाचारियों पर बिना किसी भेदभाव के कठोर कार्यवाही कर रही है। यह संदेश जनता को देती है। बिना किसी भेदभाव के भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्यवाही करने के कारण चीन में सरकार की इमेज आम जनता में बहुत अच्छी है। चीन में भ्रष्टाचार करने से प्रमुख पदों पर बैठे हुए लोग डरने लगे हैं। यह स्थिति भारत में एक बार 1975 से 1977 के बीच में जब आपातकाल लगा था तब देखी गई थी। उस समय शासन और प्रशासन के सभी तंत्र भ्रष्टाचार और कानून विरोधी काम करने से डर रहे थे। भारत में यदि भ्रष्टाचार सचमुच कम करना है तो शुरुआत राजनीतिक ईमानदारी से करनी होगी। खासकर चुनावी खर्च और सत्ता के संरक्षण में जिस तरह का भ्रष्टाचार हो रहा है उसको तुरंत नियंत्रित करने की जरूरत है। जहां सरकार के मुखिया का संकल्प मजबूत होता है, वहां सिस्टम सुधरता है। इस बात का प्रमाण आपातकाल का दौर था। चीन ने यह करके दिखाया है। बिना किसी भेदभाव के सख्ती और निरंतर कार्रवाई करने से भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सकती है। पिछले 11 वर्षों में भारत में केवल विपक्षियों के ऊपर कारवाई हो रही है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में काश्वी गौतम का चयन

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ की प्रतिभाशाली ऑलराउंडर काश्वी गौतम का आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयन किया गया है। भारतीय टीम इस दौरे पर 24 फरवरी से शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेलेगी। काश्वी गौतम ने भारतीय महिला क्रिकेट के इतिहास में अपना नाम दर्ज कराते हुए एक अनोखी उपलब्धि हासिल की है। वह बीसीसीआई से संबद्ध महिला अंडर-19 राज्य मैच में एक ही पारी में 10 विकेट लेने वाली भारत की पहली महिला क्रिकेटर बनीं। उनके क्रिकेट सफर में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां शामिल हैं। वर्ष 2020 में वह महिला आईपीएल विजेता टीम ट्रेलब्लेज़र्स का हिस्सा रहीं। इसके बाद 2021 में अंडर-19 चैलेंजर्स ट्रॉफी (इंडिया डी) में चयन हुआ, जहां टीम उपविजेता रही। उसी वर्ष उनका चयन सीनियर महिला चैलेंजर्स ट्रॉफी (इंडिया सी) के लिए भी हुआ, जो उनके सीनियर क्रिकेट में सफल प्रवेश का संकेत था। काश्वी का प्रदर्शन लगातार निखरता गया। 2022 में जोनल कैंप और 2023 में प्रतिष्ठित एनसीए हाई परफॉर्मेंस कैंप में उनका चयन हुआ। वर्ष 2023 में हांगकांग में आयोजित इमर्जिंग एशिया कप में वह विजेता इंडिया ए टीम का हिस्सा रहीं और बाद में इंग्लैंड ए के खिलाफ इंडिया ए टीम का प्रतिनिधित्व भी किया। घरेलू क्रिकेट में भी उनका दबदबा कायम रहा। नॉर्थ ज़ोन टी20 ट्रॉफी में उन्होंने हैट्रिक और पांच विकेट लेकर सबका ध्यान खींचा।
विमेंस प्रीमियर लीग 2023 में काश्वी गुजरात जायंट्स से जुड़कर टूर्नामेंट की सबसे महंगी खिलाड़ियों में शामिल रहीं। 2025 में वह गुजरात जायंट्स के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं।

क्या जूलियन वेबर को गुर सिखाने वाले बरखार्ड बनेंगे भारतीय जेवलिन टीम के नए कोच?

नई दिल्ली, एजेंसी। बरखार्ड जेवलिन थ्रो में अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और शीर्ष स्तर के जर्मन थ्रोअरों को विश्व स्तरीय सफलता दिलाने के लिए जाने जाते हैं। वह तकनीक को निखारने और मानसिक तैयारी में अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध हैं। नीरज चोपड़ा की ओलंपिक में दोहरी सफलता के बाद जेवलिन थ्रोअरों (भाला फेंक) की फैक्ट्री बन चुके भारत में प्रतिभाओं को तराशने के लिए एक और जर्मनी के दिग्गज कोच सेवाएं ली जा रही हैं। यू हॉन और नीरज की सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले क्लास बार्टोनिएट्ज के बाद भारतीय एथलेटिक महासंघ (एएफआई) अब बीते वर्ष 91.51 मीटर भाला फेंकने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर के कोच बरखार्ड लुक्स पर दांव लगाने जा रहा है। बरखार्ड और एएफआई के बीच कुछ दौर की बातचीत हो चुकी है। सब कुछ ठीक रहा तो रियो ओलंपिक चैंपियन थामस रोहलर और बरनार्ड सीफर्ट जैसे जेवलिन थ्रोअरों को प्रशिक्षित कर चुके बरखार्ड जल्द भारतीय जेवलिन थ्रोअरों को प्रशिक्षित करते नजर आएंगे।

मेसी इवेंट से पहले हुए मैच में रेफरी की भूमिका पर सवाल

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता में अर्जेंटीना के फुटबॉल सुपरस्टार लियोनेल मेसी के इवेंट से पहले खेले गए एक फुटबॉल मैच को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। 13 दिसंबर को साल्ट लेक स्टेडियम (युवा भारती क्रीड़ांगन) में हुए इस मैच में रेफरी का काम करने वाले चार रेफरी अब जांच के दायरे में आ गए हैं। फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था इंडियन फुटबॉल एसोसिएशन (आईएफए) ने इन चारों रेफरी को अपनी आंतरिक अनुशासन कमिटी के सामने पेश होने के लिए बुलाया है। इन रेफरी पर आरोप है कि उन्होंने इंडियन फुटबॉल एसोसिएशन या कलकत्ता रेफरी एसोसिएशन से पूर्व अनुमति लिए बिना इस हाई-प्रोफाइल मैच में अंपायरिंग की। सूत्रों के मुताबिक, नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लिया गया है और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है। इंडियन फुटबॉल एसोसिएशन की अनुशासन कमिटी की बैठक 20 जनवरी को होने वाली है, जहां रेफरी को अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाएगा। यह मामला उस बड़े विवाद से जुड़ा है जो लियोनेल मेसी के कोलकाता दौरे के दौरान सामने आया था। मेसी के आगमन से पहले ही स्टेडियम खचाखच भर गया था और हजारों प्रशंसक अपने पसंदीदा

● आईएफए ने अनुशासन समिति के सामने पेश होने को कहा

फुटबॉलर की एक झलक पाने के लिए बेसब्र थे। हालांकि, मेसी के स्टेडियम में पहुंचते ही स्थिति बेकाबू हो गई। भीड़ फोटो लेने के लिए आगे बढ़ी, जिससे सुरक्षा व्यवस्था चरमरा गई। मेसी केवल 22 मिनट तक मैदान पर मौजूद रहे और इसके बाद स्टेडियम छोड़कर चले गए। उनके जाने के बाद हालात और बिगड़ गए। दर्शकों ने गुस्से में स्टेडियम के अंदर तोड़-फोड़ की। कुर्सियां और बोतलें मैदान में फेंकी गईं, गेट तोड़ दिए गए, और कई लोग पिच पर घुस गए। स्टेडियम की गैलरी और रेस्ट रूम में भी नुकसान की खबरें सामने आईं। इस घटना के बाद राज्य सरकार ने जांच कमेटी का गठन किया। इवेंट के आयोजक सतद्रु दत्ता को गिरफ्तार कर लिया गया और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। इसके अलावा, अरूप ने राज्य के खेल मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जबकि पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार समेत कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। मेसी के इवेंट से पहले खेले गए मोहन बागान और डायमंड हार्बर लेजेंड्स के बीच मैच में अंपायरिंग करने वाले ये चार रेफरी अब नियमों के उल्लंघन के आरोपों का सामना कर रहे हैं। आने वाले दिनों में इंडियन फुटबॉल एसोसिएशन की जांच यह तय करेगी कि उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी।

कोको गॉफ ने कामिला राखीमोवा को हराकर

दूसरे दौर में जगह बनाई

ऑस्ट्रेलियन ओपनः

मेलबर्न, एजेंसी। अमेरिकी स्टार कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में 1 घंटे 39 मिनट तक चले मुकाबले में गॉफ ने उज्बेकिस्तान की कामिला राखीमोवा को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ कोको गॉफ ने अपने करियर का 75वां ग्रैंड स्लैम मैच जीता और ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट्स में पहले राउंड का उनका रिकॉर्ड 23 जीत और 4 हार का हो गया। मैच के दौरान उनकी सर्विस पूरी तरह धारदार नहीं दिखी और उन्होंने सात डबल फॉल्ट किए, लेकिन उनकी रिटर्न गेम, कोर्ट कवरेज, और कंसिस्टेंसी ने उन्हें निर्णायक बढ़त दिलाई। पहले सेट में राखीमोवा ने संघर्ष करते हुए 2-5 पर सर्व करते समय तीन सेट पॉइंट बचाए और मुकाबले को खींचने की कोशिश की। इसके बावजूद गॉफ ने धैर्य नहीं खोया और एक बेहतरीन सर्व के जरिए पहला

सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में उज्बेक खिलाड़ी ने लॉब और ड्रॉप शॉट्स का सहारा लेकर मैच में वापसी की कोशिश की, जिससे उन्हें दर्शकों का भी समर्थन मिला। हालांकि, गॉफ की निरंतरता और ताकतवर बेसलाइन खेल के सामने राखीमोवा ज्यादा देर टिक नहीं सकीं।

दूसरे सेट में गॉफ ने 5-1 की मजबूत बढ़त बना ली। एक गेम में डबल फॉल्ट और कुछ गलतियों के कारण राखीमोवा को वापसी का हल्का सा मौका मिला, लेकिन अमेरिकी खिलाड़ी ने तुरंत ब्रेक हासिल करते हुए मैच का छठा ब्रेक अपने नाम किया और सीधे सेटों में जीत दर्ज कर ली। यह जीत गॉफ के ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब के इरादों को साफ तौर पर दर्शाती है।

मैच के बाद गॉफ ने कहा कि वह पहले राउंड में खुद पर ज्यादा दबाव नहीं डालना चाहतीं और उनका एकमात्र लक्ष्य टूर्नामेंट जीतना है। उन्होंने यह भी माना कि एक मजबूत रिटर्नर होने का फायदा यह है कि लगभग हर सर्विस गेम में ब्रेक का मौका बनता है।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः

डेनियल मेदवेदेव ने जेस्पर डी जोंग को हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई

मेलबर्न, एजेंसी। पूर्व विश्व नंबर एक डेनियल मेदवेदेव ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में अपने अभियान की दमदार शुरुआत करते हुए दूसरे राउंड में प्रवेश कर लिया है। मेलबर्न के मार्गरेट कोर्ट एरिना में 2 घंटे 53 मिनट तक चले मुकाबले में मेदवेदेव ने नीदरलैंड्स के जेस्पर डी जोंग को 7-5, 6-2, 7-6(2) से हराया। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल जीतकर ऑस्ट्रेलियन ओपन में उतरे मेदवेदेव ने इस जीत के साथ 2026 सीजन में 6-0 का परफेक्ट रिकॉर्ड बना लिया है। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, उन्होंने मैच में मिले 13 ब्रेक पॉइंट्स में से सात को भुनाया, जो उनकी आक्रामक रिटर्न गेम और मानसिक मजबूती को दर्शाता है।

हालांकि मुकाबला पूरी तरह एकतरफा नहीं रहा। पहले सेट में उन्होंने दो बार ब्रेक की बढ़त गंवाई और तीसरे सेट में दो मौकों पर मैच सर्व करते हुए जीत हासिल नहीं कर सके, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने धैर्य बनाए रखा और टाई-ब्रेक में पूरी तरह हावी रहे। विश्व रैंकिंग में 73वें स्थान पर काबिज डी जोंग के खिलाफ यह मेदवेदेव की पहली भिड़ंत थी। धीमी परिस्थितियों में दोनों खिलाड़ियों की सर्विस कई बार टूटी, लेकिन बड़े मैचों का अनुभव रखने वाले मेदवेदेव ने अहम पलों में बेहतर फैसले लिए। निर्णायक टाई-ब्रेक में उन्होंने आक्रामक खेल दिखाते हुए डी जोंग को कोई खास मौका नहीं दिया। पिछला सीजन मेदवेदेव के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा था, जहां वह सिर्फ एक ग्रैंड स्लैम जीत सके थे। हालांकि, साल के अंत में अल्माटी में एटीपी 250 खिताब जीतकर उन्होंने आत्मविश्वास दोबारा हासिल किया। ऑस्ट्रेलियन ओपन में इस जीत ने साफ कर दिया है कि वह एक बार फिर खिताब की दौड़ में गंभीर दावेदार हैं।

व्यापार

अरबपतियों के सियासी वर्चस्व के बीच भारत बना मिसाल

रिपोर्ट में दावा- आरक्षण से ताकत का लोकतांत्रिक बंटवारा

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर राजनीति में बढ़ते अरबपतियों के प्रभाव पर चिंता जताते हुए अंतरराष्ट्रीय अधिकार समूह ऑक्सफैम ने भारत की आरक्षण प्रणाली को लोकतांत्रिक सशक्तिकरण का एक प्रभावशाली और ठोस उदाहरण बताया है। यह टिप्पणी विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के पहले दिन जारी की गई ऑक्सफैम की नई असमानता रिपोर्ट में की गई। ऑक्सफैम इंटरनेशनल की रिपोर्ट 'रेसिस्टिंग द रूल ऑफ द रिचः प्रोटेक्टिंग फ्रीडम फॉर बिल्यनेर पावर में कहा गया है कि दुनिया भर में अरबपति आम नागरिकों की तुलना में 4,000 गुना अधिक राजनीतिक पदों पर काबिज होने की संभावना रखते हैं, जिससे लोकतंत्र पर असमान प्रभाव पड़ रहा है।

भारत की आरक्षण व्यवस्था की सराहना

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य वंचित वर्गों के लिए राजनीतिक आरक्षण व्यवस्था ने उन समुदायों को प्रतिनिधित्व का अवसर दिया है, जिन्हें लंबे समय तक सामाजिक और आर्थिक रूप से हाशिये पर रखा गया।

आईआईएम से पढ़ने के बाद सीईओ ऑफिस में जॉब

नई दिल्ली, एजेंसी। आज की भागदौड़ भरी शहरी जिंदगी में खराब खान-पान, डायबिटीज और बीपी जैसी बीमारियां एक बड़ी चुनौती बन गई हैं। व्यस्तता के कारण लोग अक्सर पौष्टिक भोजन के बजाय फास्ट फूड खाते हैं। इसी समस्या का समाधान खोजने के लिए तेलंगाना की कीर्ति प्रिया ने कोह फूड्स की नींव रखी। बिट्स पिलानी से बी.फार्मा और आईआईएम कलकत्ता से एमबीए जैसी प्रतिष्ठित डिग्रियों के बावजूद कीर्ति ने कॉर्पोरेट जगत की सुरक्षित नौकरी छोड़कर उद्यमिता का कठिन रास्ता चुना। उन्होंने अपनी मां के भेजे गए घरेलू डिहाइड्रेटेड वेजी पाउडर्स को एक व्यावसायिक रूप दिया। इसका मकसद शहरी लोगों को बिना किसी मेहनत के 100त्न प्राकृतिक पोषण उपलब?ध करना था। 2022 में शुरू हुआ

यह स्टार्टअप न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों की पसंद बन रहा है, बल्कि इसने ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण का भी एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। आज यह ब्रांड भारतीय बाजार के साथ अमेरिका में भी अपनी पहचान बना चुका है। इसका कारोबार 1 करोड़ रुपये का है। आइए, यहां कीर्ति प्रिया की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

छोटे से गांव से शुरू हुआ सफर- कीर्ति प्रिया का सफर तेलंगाना के एक छोटे से गांव से शुरू हुआ। शिक्षा को महत्व देने वाले परिवार की इस बेटी ने बिट्स पिलानी और आईआईएम कलकत्ता से पढ़ाई के बाद शानदार कॉर्पोरेट करियर शुरू किया। उन्होंने अपनी नौकरी की शुरुआत जनलक्ष्मी स्मॉल फाइनेंस बैंक में की। वह सीईओ ऑफिस में काम कर रही थी। बाद में लोकल नाम के एक स्टार्टअप को जॉइन किया। व्यस्त लाइफस्टाइल के कारण जब कीर्ति अक्सर खाना छोड़ देती थीं, तब उनकी मां उन्हें घर के बने सब्जियों के पाउडर भेजती थीं। इन?हें वह करी या जूस में मिलाकर झटपट पोषण पा लेती थीं। यहीं से उन्हें आइडिया आया कि क्यों न इस पारंपरिक नुस्खे को उन लाखों लोगों तक पहुंचाया जाए जो समय की कमी के कारण सही पोषण नहीं ले पाते। इसी सोच के साथ 2018 में इस ब्रांड की वैचारिक शुरुआत हुई।

फिर अचानक टर्न, अब 1 करोड़ का टर्नओवर

बड़ा है आगे का टारगेट

आज कीर्ति के उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2024 में 20 लाख रुपये के राजस्व के बाद कंपनी अब 1 करोड़ रुपये पर पहुंच चुकी है। कीर्ति का विजन केवल भारत तक सीमित नहीं है। उनकी कंपनी के प्रोडव ?ट्स अब अमेरिका में भी पहुंच चुके हैं। उनका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर एक ऐसा क्लीन लेबल ब्रांड बनना है, जिस पर पश्चिमी देशों के लोग भी भरोसा कर सकें। कीर्ति की यह कहानी साबित करती है कि अगर इरादे मजबूत हों और उत्पाद में दम हो तो एक छोटा सा विचार भी करोड़ों का बिजनेस बन सकता है।

स्विटजरलैंड में आर्थिक नीतियों पर मंथन

महाराष्ट्र से गुजरात तक की हस्तियां पहुंचीं

दावोस, एजेंसी। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक सोमवार से दावोस में शुरू हो रही है। इस पांच दिवसीय आयोजन में दुनिया भर के नेता, उद्योगपति, शिक्षाविद, नागरिक समाज और श्रम संघों के 3,000 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मंत्रिमंडल के पांच सदस्यों के साथ बैठक में शामिल होंगे।

अजीत डोभाल, चार केंद्रीय मंत्री समेत छह मुख्यमंत्री होंगे शामिल- भारत का प्रतिनिधित्व इस बैठक में बेहद मजबूत है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, शिवराज सिंह चौहान, प्रल्हाद जोशी और के राम मोहन नायडू शामिल होंगे। इसके अलावा छह मुख्यमंत्रियों में महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के एन. चंद्रबाबू नायडू, असम के हिमंत बिस्वा सरमा, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, तेलंगाना के ए. रेवंत रेड्डी और झारखंड के हेमंत सोरेन बैठक

में भाग लेंगे।
इसके अलावा गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष रमेशभाई संघवी और उत्तर प्रदेश का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी दावोस में शामिल होंगे। भारतीय प्रतिनिधि समूह कई चर्चाओं में हिस्सा लेंगे, जिसमें यह भी चर्चा होगी कि भारत क्या दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। द्विपक्षीय बैठकें भी इस दौरान आयोजित होंगी।

प्रमुख कंपनियों के सीईओ भी होंगे शामिल- पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी भी अलायंस फॉर ग्लोबल गुड: जेंडर इक्विटी एंड इक्वालिटी की संस्थापक और चेयरपर्सन के रूप में बैठक में मौजूद रहेंगी। इस बैठक में भारत की प्रमुख कंपनियों के सीईओ भी शामिल हैं, जिनमें मुकेश अंबानी (रिलायंस इंडस्ट्रीज), एन. चंद्रशेखरन (टाटा समूह), संजीव बजाज (बजाज समूह), हरि एस भरतिया (जुबिलेंट भरतिया ग्रुप) और सुदर्शन वेणु (टीवीएस मोटर) शामिल हैं।

इंडिया पवेलियन का संदेश- भारत की भागीदारी को प्रमुखता देने के लिए पवेलियन और विभिन्न स्टॉल्स में मुख्य संदेश है- भारत के साथ पार्टनरशिप करें और भविष्य को सब्सक्राइब करें। कई बड़ी आईटी कंपनियों ने अपने पवेलियन और एआई लाउंज तैयार किए हैं, जिसमें विप्रो, टीसीएस, इंफोसिस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा शामिल हैं। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड, उत्तर प्रदेश, केरल और तेलंगाना समेत कई राज्य सरकारों के पवेलियन भी बनाए गए हैं।

सुरक्षा व्यवस्था कड़ी- दावोस में पांच हजार से अधिक सशस्त्र जवान तैनात हैं।

मुकेश अंबानी के ये दो बिजनेस दौड़ने लगे, मुनाफा हुआ शुरू

ब्लिंकिट और स्विगी भी नहीं कर पाईं ऐसा

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी के दो बिजनेस ने मुनाफा कमाना शुरू कर दिया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बताया कि उनके दो बड़े कंज्यूमर बिजनेस क्विक कॉमर्स और एफएमसीजी ने अब मुनाफा कमाना शुरू कर चुके हैं। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार कंपनी की बड़ी खरीद क्षमता और ज्यादा मुनाफा देने वाली चीजों पर ध्यान देने की वजह से यह संभव हुआ है। क्विक कॉमर्स के दो सबसे बड़े खिलाड़ी ब्लिंकिट और स्विगी अभी भी कुल मिलाकर मुनाफा नहीं कमा रहे हैं।

कंपनी के सीनियर एग्जीक्यूटिव्स ने शुक्रवार शाम को तीसरी तिमाही के नतीजों के बारे में बताते हुए कहा कि उनका क्विक कॉमर्स बिजनेस अब लगभग हर ऑर्डर पर मुनाफा दे रहा है। इसका मतलब है कि हर ऑर्डर पर होने वाले खर्च से ज्यादा कमाई हो रही है। क्विक कॉमर्स बिजनेस को अक्टूबर 2024 में शुरू किया गया था। वहीं तीन साल पहले शुरू हुआ एफएमसीजी बिजनेस भी अब ब्याज, टैक्स, डेप्रिसिएशन और अमोर्टाइजेशन से पहले की कमाई के मामले में मुनाफा कमाने लगा है। हालांकि, उन्होंने इस बिजनेस के बारे में कोई खास वित्तीय आंकड़े नहीं बताए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM
किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)